वर्ष : 34 | अंक : 218 | मुंबई, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कई बड़े निर्णय

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबईकरों को तोहफा

गांवों में रोजगार की बहार

नाशिक में स्थापित होगा बांस क्लस्टर, पांच लाख रोजगार होगा सृजित

आंबेडकर की शिक्षा संस्थानों के विकास के लिए स्वतंत्र योजना

धीरज सिंह । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति देने वाले तीन प्रमुख निर्णय लिए गए। इनमें सबसे अहम है उद्योग विभाग की 'महाराष्ट्र बांस उद्योग नीति 2025', जिसके तहत राज्य में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी गई है।

15 बांस क्लस्टर और 5 लाख रोजगार के अवसर

नीति के तहत राज्य में 15 समर्पित बांस क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में सूक्ष्म साझा सुविधा केंद्र (एमसीएफसी) बनाए जाएंगे, ताकि बांस कारीगरों को आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षण मिल सके। सरकार को उम्मीद है कि इस नीति से 5 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। किसानों को भी बांस की खेती और प्रसंस्करण उद्योग में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

डॉ। बाबासाहेब आंबेडकर की पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी के विकास को मंजूरी

राज्य मंत्रिमंडल ने भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा स्थापित दि पीपल्स एज्युकेशन सोसायटी के नौ महाविद्यालयों और दो छात्रावासों के जीर्णोद्धार, जतन और संवर्धन के लिए स्वतंत्र योजना लागू करने को मंजूरी दी है, जिसके लिए कुल 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और अगले पांच वर्षों के लिए प्रत्येक वर्ष 100 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे।

नवाचार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन

बांस प्रसंस्करण उद्योगों को ब्याज और बिजली सब्सिडी, मुद्रा कर में छूट और अन्य रियायतें दी जाएंगी। साथ ही, नवाचार-आधारित स्टार्टअप और MSME सेक्टर के लिए 300 करोड़ रुपए का उद्यम पूंजी कोष बनाया जाएगा। राज्य सरकार एशियाई विकास बैंक के सहयोग से एक बांस विकास परियोजना भी शुरू करेगी।

मुंबई में अब किसी भी स्टांप ऑफिस में करा सकेंगे डॉक्यूमेंट रजिस्ट्रेशन

मुंबई। मुंबईवासियों के लिए राजस्व विभाग की ओर से बड़ा दिवाली उपहार दिया गया है। दरअसल, महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब मुंबई के किसी भी स्टांप कार्यालय में दस्तावेज़ पंजीकृत कराए जा सकते हैं। इसके लिए क्षेत्र सीमा की शर्त को समाप्त कर दिया गया है। मुंबई शहर (Town) और उपनगरों के नागरिक, व्यवसायी और कंपनी मालिक अपने क्षेत्र सहित मुंबई के छह स्टांप कार्यालयों मंश से किसी में भी दस्तावेज़ (दस्तावेज़ अधिनिर्णय) पंजीकृत करा सकेंगे। निवासी या व्यावसायिक प्रतिष्ठान जिस क्षेत्र में स्थित हैं, उसी क्षेत्र के स्टाम्प कार्यालय में पंजीकरण कराने की शर्त हटा दी गई है। इस संबंध में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सरकारी राजपत्र जारी कर दिया है।

माओवाद की ताबूत में आखिरी कील

- शीर्ष माओवादी कमांडर भूपति ने 60 कैडरों के साथ किया समर्पण
- पांच राज्यों में मोस्ट वांटेड, डेढ़ करोड़ था इनाम

एजेंसी । नई दिल्ली

सीपीआई (माओवादी) के वरिष्ठ नेता और उनके पोलित ब्यूरो और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को महाराष्ट्र के गड़चिरोली ज़िले में 60 अन्य माओवादी साथियों सहित आत्मसमर्पण कर दिया है। सशस्त्र माओवादी संगठन के लिए इसे एक बड़ा झटका माना जा रहा है। 70 वर्षीय वेणुगोपाल के आत्मसमर्पण के साथ पार्टी की वैचारिक ताकत और संचार तंत्र को गहरा नुकसान हुआ है। वे छत्तीसगढ़ के जंगलों में सक्रिय माओवादियों और बाहरी दुनिया के बीच की कड़ी थे। 2010 में पार्टी के प्रवक्ता चेरकूरी राजकुमार (आज़ाद) के मारे जाने के बाद से वेणुगोपाल पार्टी प्रवक्ता बने और तब से वे 'अभय' के नाम से प्रेस बयान जारी करते आ रहे हैं। सोनू का संपर्क बाहरी दुनिया से था। वे माओवादी समर्थक संगठनों से संवाद बनाए रखते थे। उनके आत्मसमर्पण से स्पष्ट है कि माओवादी संगठन को गहरा नुकसान पहुंचा है।

लगातार बढ़ता आत्मसमर्पण

इस वर्ष 5 अप्रैल को 86 माओवादी कार्यकर्ताओं (जिनमें 20 महिलाएं और कई एरिया कमेटी सदस्य शामिल थे) ने भद्राद्री-कोठागुडेम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था. वहीं पिछले हफ्ते, तीन वरिष्ठ माओवादी नेताओं ने तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी के सामने हथियार डाल दिए.

इन पांच राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश

- छत्तीसगढ़
- महाराष्ट्र
- आंध्र प्रदेश
- तेलंगाना
- ओडिशा

जानें इन नक्सलियों पर कितना था इनाम

- सीसीएम सोनू दादा के ऊपर डेढ़ करोड़ रुपये
- डीवीसीएम के ऊपर 8 लाख का इनाम
- डीकेएसजेडसी के ऊपर 25 लाख का इनाम था

पार्टी के भीतर 'वैचारिक मतभेद'

वेणुगोपाल का आत्मसमर्पण उस समय हुआ है जब पार्टी के भीतर सशस्त्र संघर्ष जारी रखने को लेकर मतभेद खुलकर सामने आए थे। उन्होंने हाल ही में पत्र लिखकर कहा था कि 'पार्टी को बचाने के लिए अब सशस्त्र संघर्ष समाप्त करने का समय आ गया है।' 15 अगस्त को जारी बयान में वेणुगोपाल ने साफ तौर पर लिखा था कि 'हम (माओवादी) हथियार छोड़ने का निर्णय लिए हैं।' यह देश में चल रहे 60 बरस के नक्सल अभियान का पहला ऐसा पत्र था जिसमें माओवादियों द्वारा हथियार छोड़ने की बात कही गई थी। हालांकि पार्टी की तेलंगाना राज्य कमेटी ने 19 सितंबर को बयान जारी कर वेणुगोपाल के बयान का खंडन करते हुए माओवादियों द्वारा हथियार छोड़ने के कयासों पर पूर्ण विराम लगा दिया था। तेलंगाना राज्य कमेटी के प्रवक्ता जगन के नाम से जारी बयान में कहा गया था कि यह उनकी (वेणुगोपाल) निजी राय है और पार्टी का निर्णय नहीं है।

किशनजी के भाई, तेलंगाना से ताल्लुक

तेलंगाना के पेद्दापल्ली ज़िले के रहने वाले वेणुगोपाल ने बी।कॉम की पढ़ाई की थी। वे साल 2011 में मारे गए माओवादी नेता मल्लोजुला कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी के छोटे भाई हैं। उनके पिता और दादा स्वतंत्रता सेनानी थे। जानकारी के अनुसार, वेणुगोपाल और उनके साथी रैडिकल स्टूडेंट्स यूनियन और पीपुल्स वॉर ग्रुप से प्रभावित थे। पेद्दापल्ली के सरकारी डिग्री कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद 1980 के दशक में सोनू पीपुल्स वॉर ग्रुप में शामिल हो गए थे। वेणुगोपाल वर्ष 2010 में सीपीआई (माओवादी) के प्रवक्ता नियुक्त हुए थे। वे अभय, भूपति, विवेक और राजन जैसे कई अन्य नामों से जाने जाते हैं। उनके भाई किशनजी की साल 2011 में पश्चिम बंगाल के लालगढ़ में मुठभेड़ के दौरान मौत के बाद वेणुगोपाल को वहां का नेतृत्व संभालने की ज़िम्मेदारी दी गई थी। उल्लेखनीय है कि उनकी पत्नी विमला सिदाम उर्फ तारा ने पिछले साल के दिसंबर में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने आत्मसमर्पण किया था। तारा भी लगभग 30 वर्षों तक पार्टी में सक्रिय रहीं और दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति की सदस्य भी बनीं।

बच्चू कडू को जोर का झटका

सरकार ने नरीमन प्वाइंट में कार्यालय की जमीन वापस ली

एजेंसी । नई दिल्ली

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व राज्य मंत्री और प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष बच्चू कडू को बड़ा झटका दिया है। नरीमन प्वाइंट स्थित योगक्षेम के सामने उन्हें दी गई कार्यालय की जमीन वापस ले ली गई है और अब यह जमीन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को प्रदान की जाएगी।

सरकार ने पार्टी के लिए 900 वर्ग फुट जमीन उपलब्ध कराई थी

राज्य सरकार ने मंत्रालय के पास योगक्षेम के सामने जनता दल सेक्युलर पार्टी के लिए 900 वर्ग फुट जमीन उपलब्ध कराई थी। इसमें से 200 वर्ग फुट जमीन जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के लिए आरक्षित थी, जबकि बाकी 700 वर्ग फुट तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार ने प्रहार जनशक्ति पार्टी के कार्यालय के लिए दी थी। अब सरकार ने इस फ़ैसले को बदलते हुए उक्त जमीन जेडीयू को सौंपने का निर्णय लिया है। राजनीतिक गलियारों में इस बदलाव को बिहार विधानसभा चुनावी समीकरण से जोड़ा जा रहा है।

महायुति सरकार की आलोचना

कार्यालय वापस लिए जाने के फैसले पर बच्चू कडू ने महायुति सरकार की कड़ी आलोचना की है। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में प्रहार के दो विधायक चुने गए थे। बच्चू कडू महाविकास आघाड़ी सरकार में राज्य मंत्री थे और शिवसेना में विभाजन के बाद उन्होंने एकनाथ शिंदे का समर्थन किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिंदे ने यह जमीन कडू की पार्टी को देने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद बच्चू कडू ने अपना राजनीतिक रुख बदलकर स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के नेता राजू शेट्टी के साथ तीसरा मोर्चा बनाया और चुनाव में महायुति को चुनौती दी। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

मां ने बच्चों को जहर देकर की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

वागले एस्टेट इलाके में एक दर्दनाक घटना में मानसिक तनाव से ग्रस्त रेखा जैन (39) ने अपने दो बच्चों को जहर दिया और खुद भी जहर पीकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में मां रेखा और उनकी बेटी खुशी (19) की मौत हो गई, जबकि बेटा दक्ष (18) ने संदिग्ध

अस्पताल में इलाज और मौत

दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान रेखा जैन और बेटी खुशी की सोमवार, 13 अक्टूबर को मौत हो गई। बेटे दक्ष की हालत गंभीर बताई गई है, लेकिन उसने अपनी जान बचा ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस की जानकारी और परिवार का हाल

श्रीनगर पुलिस ने बताया कि मृत महिला रेखा जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रेखा जैन मानसिक बीमारी और अवसाद से वर्ष 2023 से जूझ रही थी। उनके पति राजेंद्र का वागले एस्टेट में भंगार का व्यवसाय है। पुलिस के अनुसार, रेखा जैन 8 अक्टूबर को मायके से लौटने के बाद सुबह करीब 11 बजे पहले अपनी बेटी खुशी को, फिर बेटे दक्ष को 'भगवान का प्रसाद' बताकर कीटनाशक मिला पानी पीने को दिया। प्रसाद का स्वाद कड़वा लगने पर दक्ष ने पीने से इंकार कर दिया और बाद में अपने पिता को बुलाया। पिता ने देखा कि खुशी उल्टी कर रही थी, जबकि रेखा बाथरूम में थी।

आत्महत्या के मामले में 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में एक कस्टम अधिकारी के बेटे, विवेक, द्वारा साइबर धोखाधड़ी के शिकार होने के बाद आत्महत्या करने के मामले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस साइबर आरोपितों गोविंद अहिरवार, सुशील कुमार मिश्रा, अमन अब्बास और हरजीत सिंह संधू की तलाश कर रही है। कुर्ला जीआरपी के वरिष्ठ निरीक्षक संभाजी यादव ने बताया कि पवई में अपने परिवार के साथ रहने वाले कॉलेज छात्र विवेक को इस साल की शुरुआत में एक गेमिंग प्लेटफॉर्म मिला। "क्विज़ कम इन्वेस्टमेंट गेम में सही उत्तर देने पर पैसा खाते में स्थानांतरित किया जाता था। 15 जुलाई को विवेक ने 1,000 रुपये का निवेश किया और 2,000 रुपये प्राप्त किए। बाद में 8,000 रुपये का निवेश करने पर उन्हें 16,000 रुपये मिले। विश्वास दिलाकर कि यह वास्तविक प्लेटफॉर्म है, उन्हें 4 लाख रुपये के निवेश की योजना दी गई थी।" छात्र विवेक ने 80,000 रुपये का निवेश किया और अपने पिता से और 1 लाख रुपये स्थानांतरित करने का

खबर संक्षेप

व्हाट्स एप पर मिलेगा मेट्रो का टिकट

मुंबई। मुंबई मेट्रो लाइन-3 से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब व्हाट्स के जरिए मेट्रो का टिकट मिलेगा। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिडे के अनुसार यह स्मार्ट पहल यात्रियों की सुविधा बढ़ाने पर हमारे निरंतर प्राथमिकता को दर्शाती है। एमएमआरसी ने मेट्रो लाइन-3 के यात्रियों के लिए व्हाट्सएप-आधारित टिकटिंग प्रणाली शुरू की है। इस नई सेवा के तहत यात्री बिना किसी अलग ऐप डाउनलोड किए सीधे व्हाट्सएप के ज़रिए मेट्रो टिकट खरीद सकते हैं। यह सुविधा पेलोकल फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड ने संचालित की है। इसका उपयोग +91 98730 16836 पर ₹Hi₹ भेजकर या मेट्रो स्टेशनों पर प्रदर्शित क्यूआर कोड स्कैन करके किया जा सकता है। यात्रियों को एक साधारण चैट इंटरफेस के माध्यम से तुरंत क्यूआर-आधारित टिकट प्राप्त होंगे।

इस बार मनसे के दीपोत्सव में उद्धव ठाकरे होंगे मुख्य अतिथि

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के दीपोत्सव कार्यक्रम में शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। खास बात यह है कि इस दीपोत्सव का उद्घाटन खुद उद्धव ठाकरे के हाथों किया जाएगा और इस दौरान राज ठाकरे भी मंच पर मौजूद रहेंगे। यानी एक बार फिर ठाकरे बंधु एक ही मंच पर दिखाई देंगे। यह कार्यक्रम 17 अक्टूबर की शाम मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित किया जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी दीपावली के उपलक्ष्य में भव्य रोशनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न कलाकारों की मौजूदगी में दीपोत्सव मनाया जाएगा।

'मतदाता सूची दुरुस्त करो, वरना चुनाव मत कराओ'

- महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी से मिले विपक्ष के नेता, चुनाव में गड़बड़ियों का उठाया मुद्दा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मंगलवार को महाविकास आघाड़ी और अन्य विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मतदाता सूची में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। विपक्षी नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम से मुलाकात कर शिकायतों का अंबार लगा दिया। बैठक में मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने तीखे स्वर में सवाल किया कि जब चुनाव की घोषणा तक नहीं हुई है, तो मतदाता पंजीकरण क्यों बंद किया गया? राज ठाकरे का आरोप था कि हजारों युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जानबूझकर बाहर किया

मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर विपक्ष का आरोप

बैठक के दौरान राज ठाकरे ने दावा किया कि मतदाता सूची में भारी गड़बड़ियां हैं। कई लोगों के नाम दो-दो स्थानों पर दर्ज हैं, जबकि कुछ जगहों पर पिता की उम्र बेटे से कम दर्शाई गई है। कई वैध मतदाताओं के नाम बिना सूचना के काट दिए गए हैं। विपक्ष ने कहा कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है और इससे निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं हो पाएंगे। ज्ञापन में मांग की गई कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, उनकी जानकारी सार्वजनिक की जाए और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अद्यतन मतदाता सूची तत्काल जारी की जाए।

क्या मतदाता सूची में राजनीतिक दबाव की भूमिका?

विपक्षी नेताओं ने आशंका जताई कि मतदाता सूची में अनियमितताओं के पीछे राजनीतिक दबाव या छुपा हुआ एजेंडा हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि पारदर्शिता न बरतने से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की साख पर असर पड़ेगा। मुंबई, पुणे और ठाणे जैसे शहरों में लाखों प्रवासी रहते हैं जिनके नाम उनके गृह राज्य की सूचियों में भी हैं। विपक्ष ने सवाल उठाया कि अन्य राज्यों में दोहरे नाम हटाने के अभियान चलाए गए, तो महाराष्ट्र में ऐसा क्यों नहीं हो रहा? साथ ही यह भी आरोप लगाया कि वीवीपैट मशीनों के

गोविंद पानसरे हत्याकांड

मुख्य आरोपी सहित तीन को जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को तर्कवादी और लेखक गोविंद पानसरे की 2015 में हत्या के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को जमानत दी। इन तीनों में मुख्य आरोपी वीरेंद्र सिंह तावड़े भी शामिल है। हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच के जस्टिस एसजी दिगे ने तावड़े के अलावा शरद कलस्कर और अमोल काले को भी जमानत दी है। तावड़े और काले जेल से रिहा होंगे। लेकिन कलस्कर को जेल में ही रहना होगा, क्योंकि उसे 2013 में तर्कवादी नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में भी दोषी ठहराया जा चुका है। उसकी सजा के खिलाफ याचिका फिलहाल हाईकोर्ट में लंबित है। जस्टिस दिगे ने मंगलवार को कहा कि वह इन तीनों आरोपियों को जमानत दे रहे हैं और विस्तृत आदेश बाद में जारी करेंगे।

बस में लगी आग, करीब 20 लोगों की मौत

DNA से होगी शवों की पहचान

एजेंसी । जैसलमेर

राजस्थान के जैसलमेर में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। जैसलमेर-जोधपुर नेशनल हाईवे पर चलती एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में बस आग के गोले में तब्दील हो गई। हादसे में 20 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनमें दो बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं।

झुलसे हुए सभी यात्रियों को पहले जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जोधपुर रेफर किया गया है। अधिकांश घायल 70 फीसदी तक झुलसे हुए बताए जा रहे हैं। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। कई लोग खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि कई यात्री अंदर फंस गए। हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं।

शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसा

विधायक महंत प्रताप पुरी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका है। महंत प्रताप पुरी के मुताबिक अगर बस में नियमों का पालन करते हुए पीछे की तरफ भी एक दरवाजा होता तो कई लोगों की जान बच सकती थी। बस की बनावट मानक के मुताबिक नहीं थी, इस वजह से ज्यादा लोग मौत का शिकार हुए। असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्ण पाल सिंह राठौर के मुताबिक फायर ब्रिगेड के पहुंचने पर बस आज का गोला बनी हुई थी।

सीएम ने हादसे पर जताया दुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर बस दुखांतिका पर दुख व्यक्त किया है। सीएम भजनलाल ने कलेक्टर एसपी से फोन पर बात कर पीड़ितों को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं।

सिर्फ मुर्गियों की जनसंख्या जानता है एमबीएमसी

• पशु जनसंवर्धन कार्यालय से नहीं मिला पशुओं की जनसंख्या का डेटा

विनय दूबे । भाईंदर

कितनी गंभीर बात है कि 21वीं पशुधन जनगणना के आयोजन में उल्लेखनीय कार्य के लिए पूरे ठाणे जिले में प्रथम स्थान लपक कर फूली नहीं समा रही मीरा भाईंदर मनपा (एमबीएमसी) को पता ही नहीं है कि शहर में पशुओं की जनसंख्या कितनी है।

पशु जनसंवर्धन कार्यालय (ठाणे) से डेटा नहीं मिला है। एमबीएमसी के पास वर्ष 2019 में आयोजित 20वीं पशुधन जनगणना की सिर्फ

मुर्गी पालन की रिपोर्ट उपलब्ध होना एक गंभीर विषय है। देश और राज्य में पशुधन की संख्या और उनकी नस्लों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने हेतु यह जनगणना हर 5 साल में डिजिटल माध्यम (टैबलेट, मोबाइल एप) से की जाने वाली पशु जनगणना राज्य में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें राज्य के पालतू पशुओं की संख्या और उनकी विशेषताओं का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाता है। जनगणना में 16 मुख्य प्रजातियों के पशुओं को शामिल किया जाता है, जिनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, सूअर, घोड़ा, कुत्ता, बिल्ली, खरगोश, खच्चर, गधा व अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, मुर्गीपालन में मुर्गी, बत्तख, टर्की, बटेर, गिनी, शुतुरमुर्ग व अन्य शामिल हैं।

राजनीतिक दृष्टिकोण

जिला कांग्रेस के प्रवक्ता दीपक बागरी के अनुसार, शहर में पशुओं की जनसंख्या कितनी है इसकी जानकारी सार्वजनिक करना एमबीएमसी की नैतिक जिम्मेदारी है। इसलिए एमबीएमसी को तुरंत प्रभाव से 20 और 21वीं पशुधन जनगणना की रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इससे संबंधित विभाग को पशुपालन और पशु कल्याण के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

कार्यालय से मिली जानकारी

मेहनत करने के बाद विभाग के अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार जनगणना टैबलेट और मोबाइल एप के उपयोग से की जाती है, जिसकी पूरी रिपोर्ट सीधे पशु संवर्धन कार्यालय के पास जमा होती है, जिसे 1 साल बाद सार्वजनिक करने का प्रावधान है। कई बार सूचित करने के बाद भी 2019 में की गई जनगणना की रिपोर्ट के नाम पर सिर्फ पोल्ट्री का डेटा साझा किया गया है। अब यदि अधिकारी सही कह रहे हैं तो वाकई यह चिंता जनक विषय है। यह वही बात हुई कि परीक्षा पास तो कर लिए, पर रिजल्ट नहीं दिया गया।

अजब-गजब एमबीएमसी

हैरानी की बात है कि जनगणना करने वाली टीम को 35 लाख रुपए की पुरस्कार राशि की घोषणा करने वाली एमबीएमसी को खुद नहीं पता कि शहर में कितने पशु हैं।

ये हैं आंकड़ें

2019 की रिपोर्ट के अनुसार शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पाले हुए मुर्गे, मुर्गियां और चूजों की संख्या कुल 4205 और शहरी भाग में 4246 है। बटेर 26 और तीतर 52 हैं।

विशेषज्ञ की चिंता

डॉ. सुरेश येवले ने बताया कि एमबीएमसी के पास 20वीं पशुधन जनगणना की रिपोर्ट का अभाव एक चिंता का विषय है। इस रिपोर्ट के अभाव में संबंधित विभाग को पशुपालन और पशु कल्याण के लिए प्रभावी नीतियां और कार्यक्रम बनाने में कठिनाई हो सकती है।

भिवंडी–वाडा–मनोर मार्ग पर धूल की समस्या बढ़ी

प्रमोद पवार ने टैंकर से पानी छिड़कने की मांग की

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी–वाडा–मनोर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे मरम्मत कार्य ने गति पकड़ ली है, लेकिन सड़क से उठ रही धूल स्थानीय नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। लगातार उड़ती धूल के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। भिवंडी जनआंदोलन समिति के प्रमुख प्रमोद पवार ने मंगलवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और ठेकेदार ईगल कंस्ट्रक्शन कंपनी से सड़क पर नियमित पानी छिड़काव की मांग की। पवार ने कहा कि सड़क मरम्मत कार्य आवश्यक है, लेकिन उड़ती धूल पर नियंत्रण न होने से यह नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है।

उन्होंने कार्यकारी अभियंता (ठाणे), उपअभियंता (भिवंडी) और ठेकेदार प्रबंधक को लिखित शिकायत भी भेजी है।

उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था के पदाधिकारियों की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

देश का 'मानचेस्टर' कही जाने वाली पावरलूम औद्योगिक नगरी भिवंडी में उत्तर भारतीय समाज को संगठित करने और जनसमस्याओं के समाधान हेतु वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार कृष्णगोपाल सिंह (दादा ठाकुर) के नेतृत्व में उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था (रजि.) का गठन किया गया है। ठाणे धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में पंजीकृत यह संस्था पूरी तरह गैर-राजनीतिक संगठन है।

संस्था के माध्यम से पदाधिकारियों की टीम द्वारा मुफ्त हेल्थ कैंप, चश्मा वितरण, गरीब महिलाओं की सहायता, जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें और ड्रेस वितरण, तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान जैसे अनेक जनहित कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। संगठन का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है।

संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों की घोषणा और पद वितरण का कार्यक्रम संस्थाध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह (दादा ठाकुर) के जनसंपर्क कार्यालय, खदान रोड में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्याध्यक्ष के रूप में एड. प्रवीण मिश्रा (पश्चिम विभाग) और मनोज सिंह (पूर्व विभाग) को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर रामशंकर केसरवानी, सदाप्रकाश सिंह और बालमुकुंद शुक्ल नियुक्त हुए। कोषाध्यक्ष के रूप में उदयराज सिंह, महासचिव पद पर पत्रकार जितेंद्र तिवारी, पत्रकार संजय दूबे, और पी.डी. यादव की नियुक्ति की गई। युवा अध्यक्ष बने अजीत सिंह ठाकुर, महिला अध्यक्ष डॉ. स्वाति सिंह, जबकि विधि विभाग प्रमुख के रूप में एड. आर.आर. त्रिपाठी और प्रवक्ता व मीडिया प्रमुख के रूप में पत्रकार गुरु प्रसाद सिंह नियुक्त किए गए।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने लिया एकजुटता का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान संस्थाध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने उत्तर भारतीय समाज की प्रगति के लिए आपसी भेदभाव भूलकर एकजुटता, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। संस्था का उद्देश्य समाज में भाईचारा, सहयोग और विकास की भावना को प्रबल करना है।

वसई-विरार मनपा में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

ओपी यादव । विरार

विरार। वसई-विरार शहर महानगरपालिका द्वारा अनधिकृत निर्माण और अति-जोखिमपूर्ण इमारतों को हटाने के लिए नगर आयुक्त के निर्देशानुसार विशेष पथक गठित किया गया है। प्रत्येक प्रभाग के लिए एक वरिष्ठ लिपिक और चार कनिष्ठ अभियंता नियुक्त किए गए हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध निर्माण और खतरनाक इमारतों की पहचान कर कार्रवाई कर रहे हैं।

कार्रवाई में कई अवैध निर्माण ढहाए गए

दिनांक 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक नगर आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त (उत्तर व दक्षिण) और उपायुक्त के मार्गदर्शन में कई प्रभागों में कार्रवाई की गई। प्रभाग समिति A क्षेत्र में विरार (प.) के एम.बी. इस्टेट स्थित अतिधोकादायक व अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई करते हुए 600 वर्गफुट क्षेत्र का निष्कासन किया गया। प्रभाग समिति B क्षेत्र में मोरेगांव और आसपास के स्कूलों (कांचन हाईस्कूल, ज्ञानदीप विद्यालय, मोरेश्वर विद्यालय) के पास खतरनाक निर्माणों को हटाकर 1100 वर्गफुट क्षेत्र मुक्त कराया गया।

विभिन्न प्रभागों में जारी निष्कासन अभियान

प्रभाग समिति D क्षेत्र (नवघर इंडस्ट्रियल, वसई पूर्व, गाला नगर) में 222 वर्गफुट का निष्कासन किया गया। प्रभाग समिति E क्षेत्र (निर्मल स्कूल और होली क्रॉस स्कूल के पास) में अनधिकृत शेड हटाकर 215 वर्गफुट क्षेत्र मुक्त किया गया। प्रभाग समिति F क्षेत्र (जाबर पाडा) में 2200 वर्गफुट निर्माण गिराया गया। प्रभाग समिति G क्षेत्र (वसई फाटा, सातीवली रोड, चिंचोटी ब्रिज से बापाणे ब्रिज तक) में सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 15,320 वर्गफुट क्षेत्र मुक्त कराया गया।

कुल 20,532 वर्गफुट निर्माण हटाया गया

इसके अलावा, प्रभाग समिति H क्षेत्र (उमेळमान स्थित सेंट ऑगस्टीन स्कूल) में 225 वर्गफुट, और प्रभाग समिति I क्षेत्र (वसई गांव, रमेदी, राजानी इमारत) में 650 वर्गफुट क्षेत्र से अवैध निर्माण हटाया गया। कुल मिलाकर, 11 से 13 अक्टूबर 2025 के बीच वसई-विरार महानगरपालिका द्वारा 20,532 वर्गफुट अनधिकृत एवं अति-जोखिमपूर्ण निर्माणों पर निष्कासन की कार्रवाई की गई।

भाजपा नेता अनिल कौशिक के साथ करोड़ों की ठगी

26 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के पूर्व उप महापौर और भाजपा नेता अनिल कौशिक के साथ जमीन खरीद सौदे में ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में उन्होंने 29 संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर वाशी पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जिन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, उनमें बेबी कोली, किशोर कोली, सुखदेव कोली, विकी कोली, येसूबाई कोली, विश्रांती कोली, द्रौपदी कोली, सखू कोली, चौथु कोली, सूरज कोली, सर्वेश कोली, हरी कोली, कमलाकर कोली, शंकर कोली, गजानन कोली, मच्छिंद्र कोली, माधुरी चालके, अनुसया चालके, रेश्मा कोली, सुनीता कोली, मयुरेश कोली और श्रुति कोली आदि शामिल हैं। अनिल कौशिक की 'के एस होम्स' नामक कंपनी है, जिसका कार्यालय वाशी सेक्टर-17 में स्थित है। कंपनी के निदेशक मंडल

में सुदर्शना कौशिक और अशोक शांडिल्य शामिल हैं। कंपनी ने उलवे सेक्टर-19 में 400 वर्गमीटर (क्रमांक 203), सेक्टर-3 में 300 वर्गमीटर (क्रमांक 87), और सेक्टर-17 में 700 वर्गमीटर में से 305 वर्गमीटर भूखंड खरीदा था। इन सभी सौदों के लिए कंपनी ने कुल 1 करोड़ 47 लाख 75 हजार रुपए (चेक और नकद) के रूप में भुगतान किया। लेकिन जब जमीन का वास्तविक कब्जा लेने की बारी आई, तब पता चला कि उक्त जमीन पहले ही किसी अन्य व्यक्ति को बेची जा चुकी है।

यह संपूर्ण प्रकरण 27 मार्च 2008 से 8 मार्च 2025 के बीच हुआ। लेन-देन के बावजूद न तो जमीन का कब्जा मिला और न ही राशि लौटाई गई। इसलिए अनिल कौशिक ने 26 लोगों के खिलाफ वाशी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

आर्थिक गुनाह शाखा की अपील

पुलिस और आर्थिक गुनाह शाखा (EOW) ने नागरिकों को अपील की है कि जमीन खरीदने-बेचने के दौरान सभी दस्तावेजों की जांच पूरी सावधानी से करें। कई मामलों में एक ही प्लॉट को अलग-अलग लोगों को बेचना या सिडको की जमीनों पर अवैध कब्जा कर उसे बेचना जैसे व्हाइट कॉलर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सौदे से पहले सिडको और राजस्व विभाग से भूमि की कानूनी स्थिति की पुष्टि करें, ताकि किसी प्रकार की धोखाधड़ी से बचा जा सके।

उलवे में जमीन के बढ़ते दामों से बढ़ रही है ठगी

उलवे क्षेत्र इन दिनों नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण सुर्खियों में है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विशाल परियोजना का उद्घाटन किया। अटल सागरी सेतु और जेएनपीटी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के चलते यहां की जमीनों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसी वजह से जमीन की खरीद-बिक्री के नाम पर ठगी और फर्जीवाड़े के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और जयपुर के बीच सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09726	बांद्रा टर्मिनस - जयपुर	16.10.2025 से 30.10.2025	14:40 बजे (गुरुवार)	10:50 बजे (अगले दिन)
09725	जयपुर - बांद्रा टर्मिनस	15.10.2025 से 29.10.2025	16:05 बजे (बुधवार)	12:00 बजे (अगले दिन)

हाल्ट: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09726 की बुकिंग 15.10.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण कृपया साथ लेकर चलें

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस बरौनी के बीच अनारक्षित त्यौहार विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09079	बांद्रा टर्मिनस - बरौनी (अनारक्षित विशेष)	15.10.2025 से 27.10.2025	20:30 बजे (प्रतिदिन)	12:15 बजे (तीसरा दिन)
09080	बरौनी - बांद्रा टर्मिनस (अनारक्षित विशेष)	17.10.2025 से 29.10.2025	15:05 बजे (प्रतिदिन)	11:00 बजे (तीसरा दिन)

हॉल्ट: बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशन।

संरचना: सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण कृपया साथ लेकर चलें

आवारा कुत्तों का आतंक: तीन वर्षीय बच्चे पर हमला

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

खारघर प्रभाग के तळोजा गांव में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या लोगों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। मन्नत आळी इलाके में खेल रहे तीन वर्षीय मुस्तफा अली पर अचानक आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे उसके चेहरे, होंठ और नाक पर गहरी चोटें आईं। यह घटना पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

मुस्तफा की चीखें सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। उसे तुरंत कलंबोली के एम.जी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण डॉक्टरों ने उसे मुंबई के नायर अस्पताल रेफर किया। नायर अस्पताल में बच्चे की प्लास्टिक सर्जरी की गई है और फिलहाल उसका इलाज जारी है।

स्थानीयों में दहशत और आक्रोश

यह घटना पूरे तळोजा इलाके में भय और गुस्से का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है और बच्चों पर हमले आम हो गए हैं। ग्रामवासियों ने पालिका प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

वसई विरार शहर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय विरार

यशवंत नगर, विरार (प) , ता. वसई, जि. पालघर - ४०९ ३०३

दूरध्वनी: 02502525101/02/03/04/05/06, फैक्स: 0250-2525107

ई-मेल : vasalvirarcorporation@yahoo.com

जाहिर निविदा सुचना

वसई-विरार शहर महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील खालील नमुद कामाकरीता सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या योग्य वर्गातील नोंदणीकृत ठेकेदारांकरीता कोरे निविदा फॉर्म https://Mahatenders.gov.in या अधिकृत संकेतस्थळावर दि.१५/१०/२०२५ पासून उपलब्ध होणार आहेत. ई- टेंडरींग बाबत अधिक माहितीसाठी ई-निविदा कक्ष, वसई विरार शहर महानगरपालिका, मुख्यालय येथे संपर्क साधावा.

अ. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम
१	वसई विरार शहर महानगरपालिका हद्दीतील प्रभाग समिती डी अंतर्गत मजेठीया नाट्यगृहात बांधकाम विषयक विविध कामे करणे.	रु. ८५,९७,७७४/-
२	वसई विरार शहर महानगरपालिका हद्दीतील प्रभाग समिती डी अंतर्गत मजेठीया नाट्यगृहात विद्युत विषयक कामे करणे.	रु. १,५७,५७,९५४/-

Please visit our official web-site (https://Mahatenders.gov.in)

जावक क्र. ववविशम/बांध/शक/८२१ /२०२५
दिनांक १४/१०/२०२५

सही/-
(प्रदीप पाचंगे)
प्र. शहर अभियंता
वसई विरार शहर महानगरपालिका

तेज रफ्तार स्कूटी डिवाइडर से टकराई

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

शहर की पाम बीच रोड पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। सोमवार देर रात करीब 1 बजे बेलापुर-वाशी मार्ग पर नेरुल सिग्नल के पास एक स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी की रफ्तार पर चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और वाहन सीधे डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने तुरंत मदद करते हुए दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चश्मदीदों के मुताबिक, दोनों युवक शराब के नशे में थे, जिससे हादसा हुआ बताया जा रहा है। नेरुल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों और अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

आईएएस अफसर ने बनाई थी 'रिश्वत गैंग'

- विभाग के प्रमुखों को किया था शामिल
- 169 करोड़ की हेराफेरी का खुलासा

मुंबई/विरार। महाराष्ट्र में रिश्वत लेने का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक आईएएस अधिकारी ने अपने ही विभाग के अधिकारियों का गिरोह बनाकर काली कमाई का खेल शुरू किया। इस गिरोह ने अवैध इमारतों को संरक्षण देने और चल रहे निर्माणों पर आंख मूंदने के लिए एक निश्चित दर पर रिश्वत वसूली का तंत्र तैयार किया था। 150 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से कमीशन तय था, जिसमें से 50 रुपये सीधे आईएएस अधिकारी को मिलते थे।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश

यह मामला अदालत तक पहुंचा, जहाँ बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 जुलाई 2024 को सभी 41 इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश दिया। बाद में प्रभावित परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की, जिसे खारिज कर दिया गया। इस दौरान ईडी को वीवीसीएमसी के अधिकारियों और बिल्डरों की मिलीभगत के पुख्ता सबूत मिले। पीएमएलए जांच में खुलासा हुआ कि अनिल पवार ने अवैध निर्माण परियोजनाओं पर 150 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से रिश्वत तय की थी।

वसई-विरार की आरक्षित भूमि पर अवैध इमारतें

मामला वसई विरार सिटी म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (VVMC) से जुड़ा है, जहाँ 2009 से अब तक सरकारी और निजी भूमि पर अवैध आवासीय व वाणिज्यिक निर्माण हुए। जांच में सामने आया कि विकास योजना में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित भूमि पर 41 अवैध इमारतें बनाई गईं।

करोड़ों की काली कमाई और गिरफ्तारी

जांच में सामने आया कि अनिल पवार ने इन अवैध सौदों से 169 करोड़ रुपये की आपराधिक आय अर्जित की। परिणामस्वरूप, ईडी ने उन्हें 13 जुलाई 2025 को तीन अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया। 10 अक्टूबर 2025 को इस मामले में अभियोजन पक्ष की शिकायत दर्ज की गई, जो फिलहाल विशेष पीएमएलए न्यायालय के संज्ञान में आने की प्रतीक्षा में है।

परिवार के नाम पर संपत्ति और सोने-हीरे में निवेश

ईडी की जांच से पता चला कि अनिल पवार ने रिश्वत की रकम को सफेद करने के लिए परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम पर संस्थाएँ बनाईं। इस काली कमाई से उन्होंने सोना, हीरे, मोती के आभूषण, महंगी साड़ियाँ, गोदाम, फार्महाउस और आवासीय परियोजनाओं में निवेश किया। ईडी ने अब तक 44 करोड़ रुपये की संपत्तियाँ कुर्क की हैं, जब कि तलाशी में 8.94 करोड़ रुपये की नकदी, 23.25 करोड़ रुपये के आभूषण और 13.86 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस, शेयर, म्यूचुअल फंड और एफडी फ्रीज किए गए हैं।

अवैध निर्माणों का संरक्षण सौदे में बदला

जांच में सामने आया कि आईएएस अधिकारी ने 41 अवैध इमारतों को संरक्षण देने के लिए इसी दर पर रिश्वत ली। अवैध निर्माणों को नियमित कराने और कार्रवाई से बचाने के लिए अधिकारियों और बिल्डरों के बीच सौदेबाज़ी खुलेआम चलती रही।

ईडी ने कुर्क की करोड़ों की संपत्ति

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत अनिल पवार, सीताराम गुप्ता और अन्य आरोपियों की 71 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने यह जांच मीरा-भायंदर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बिल्डरों और स्थानीय गुर्गों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की।

प्लेटफ़ॉर्म टिकट बिक्री पर अस्थायी रोक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और स्टेशन परिसरों में सुचारू आवाजाही बनाए रखने के लिए मध्य रेल प्रशासन ने कुछ प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन पर अनावश्यक भीड़ को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

16 से 28 अक्टूबर तक रहेगा प्रतिबंध

यह प्रतिबंध 16 अक्टूबर 2025 से 28 अक्टूबर 2025 तक लागू रहेगा। जिन स्टेशनों पर यह रोक प्रभावी होगी, उनमें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे, कल्याण और पनवेल शामिल हैं। हालाँकि, वरिष्ठ नागरिकों, बीमार यात्रियों, बच्चों तथा सहायता की आवश्यकता वाली महिला यात्रियों के लिए प्लेटफ़ॉर्म टिकट जारी किए जा सकेंगे। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इन प्रतिबंधों का ध्यान रखें और त्योहारों के दौरान सुरक्षित व सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

पूर्व महापौर वैभव खेड़ेकर भाजपा में शामिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रत्नागिरी जिले के खेड़ के पूर्व महापौर वैभव खेड़ेकर मंगलवार को अपने अनेक कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में शामिल सभी नेताओं को उचित सम्मान दिया जाएगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सादे कार्यक्रम में प्रवेश

पूर्व महापौर वैभव खेड़ेकर ने मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित सादे समारोह में पार्टी में प्रवेश लिया। इस अवसर पर रवींद्र चव्हाण ने कहा कि समावेशी विकास के लिए समर्पित मोदी सरकार और महायुति सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है। उन्होंने वैभव को "साहसी कार्यकर्ता और नेतृत्व में विश्वास रखने वाले मित्र" बताते हुए कहा कि उनके आने से कोंकण क्षेत्र में भाजपा को मजबूती मिलेगी।

खेड़ेकर का बयान

वैभव खेड़ेकर ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कार्यशैली पर पूरा भरोसा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा संगठन के विकास के लिए वे पूरी लगन से काम करेंगे और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जिला अध्यक्ष, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी का परचम लहराएँगे।

इस अवसर पर रत्नागिरी जिले के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सहित अन्य दलों के कई कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए। समारोह में प्रदेश महासचिव ए. विक्रांत पाटिल, पूर्व नेता ए. विनय नाटू, जिला अध्यक्ष सतीश मोरे और केदार साठे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाम्बे हाईकोर्ट में नए 2,228 पदों के सृजन को राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल ने बाम्बे हाईकोर्ट, मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर और औरंगाबाद खंडपीठ के लिए 2,228 नए पद सृजित करने की मंजूरी दी है। इसमें से 1,717 पद प्रशासनिक कामकाज से संबंधित होंगे। बाम्बे हाईकोर्ट की मूल शाखा में 562, अपील शाखा में 779, औरंगाबाद खंडपीठ में 591 और नागपुर खंडपीठ के लिए 296 पद सृजित किए जाएंगे।

पति की कंपनी से कोई संबंध नहीं: शिल्पा शेट्टी

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मंगलवार को 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पति राज कुंद्रा की कंपनी से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं होने का हाईकोर्ट में दावा किया। अदालत ने उन्हें 16 अक्टूबर तक लिखित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की खंडपीठ ने शिल्पा शेट्टी को राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि अगर वह विदेश जाना चाहती हैं, तो पहले सरकारी गवाह बनें। साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि यदि शिल्पा दावा करती हैं कि उनका कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

धोखाधड़ी का मामला और भुगतान

अदालत ने यह भी कहा कि यह धोखाधड़ी का मामला 60 करोड़ रुपए का है, जिसे पहले भुगतान किया जाना चाहिए। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा 2015 से 2023 तक बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रहे।

व्यवसायी दीपक कोठारी ने आरोप लगाया कि इस दौरान दंपति ने उन्हें कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद कोठारी ने धन को निजी में लगाया। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा इस मामले में ईओडब्ल्यू की जांच का सामना कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे

उच्च क्षमता IV कपलर का प्रावधान

उप मुख्य विद्युत अभियंता (पश्चिम), पश्चिम रेलवे डिब्बा मरम्मत कारखाना, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-400013, **ई-निविदा सूचना संख्या: EL/WA/PL/2024-25/46R1 आमंत्रित करता है। कार्य का नाम:** कार्य के दायरे और दरों की अनुसूची के अनुसार, डिब्बा मरम्मत कारखाना, लोअर परेल में एलएचबी एसी डिब्बों के लिए उच्च क्षमता IV कपलर (500 एम्पियर) और 150 वर्ग मिमी फीडर केबल का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** 4,49,11,742.20, **अग्रिम राशि:** 3,74,600/-, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 10.11.2025, 12:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि:** 10.11.2025 को दोपहर 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in

0705

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

संपूर्ण ट्रेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) के लिए सीएएमसी

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (सीओ), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, **ई-निविदा संख्या: SG 623/1798/WA दिनांक 10.10.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय में स्थापित संपूर्ण ट्रेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) के लिए सीएएमसी, जिसमें सिस्टम सॉफ्टवेयर, टीएमएस एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर मॉड्यूल, सिस्टम सॉफ्टवेयर सहित फील्ड उपकरण और मुंबई मंडल के चर्चगेट-विरार खंड पर स्थापित एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर शामिल हैं, 02 वर्षों की अवधि के लिए। **कार्य की अनुमानित लागत:** 10,90,51,366.34, **बोली सुरक्षा:** 6,95,300/-,**ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 03.11.2025 को अपराह्न 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने का समय और तिथि:** 03.11.2025 को 15:30 बजे। निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

0702

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

दूरसंचार उपकरणों की आपूर्ति एवं स्थापना

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (उत्तर), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, दिनांक 10/10/2025 को **ई-निविदा संख्या: SG-216-2-139-WA आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** मुंबई मंडल के विरार-सूरत और उधना-जलगाँव गैर-उपनगरीय खंड में केबल बिछाने और बिजली आपूर्ति से संबंधित कार्यों सहित डेटा और टेलीफोनी नेटवर्क में सुधार हेतु दूरसंचार उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और प्रावधान। **कार्य की लागत:** 9,46,78,194.61,**बयाना राशि:** 6,23,400/-, **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 07.11.2025, 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 07.11.2025 को 15:30 बजे। निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

0701

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

सिग्नलिंग कार्य

निविदा सूचना संख्या: सोला- एन टी-2025-26-19 दिनांक:- 13.10.2025. भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर नए गुड्स शेड और कमरों में दूरसंचार की व्यवस्था / उपकरणों का प्रावधान/ स्थानांतरण एव FOIS नेटवर्क का प्रावधान करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 1,22,45,668.66. **टेंडर फॉर्म की कीमत:** NIL. **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रु. 2,11,200.00/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 8 महीने। **निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक www.ireps.gov.in पर** 04.11.2025 at 15.30 Hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल / डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि का भुगतान (ईएमडी) केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक एस एंड टी शाखा
सोलापूर/ मध्य रेलवे

APEX-76

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

अधिसूचना

पेंशन अदालत 2025

पेंशन अदालत 15.12.2025 को पश्चिम रेलवे, मुख्यालय कार्यालय, चर्चगेट, मंडल कार्यालयों और कार्यशालाओं में आयोजित की जाएगी। **वे कर्मचारी, जो पश्चिम रेलवे से सेवानिवृत्त हुए हैं और निपटारा बकाया का भुगतान न करने के संबंध में शिकायतें हैं, वे अपना अभ्यावेदन (तीन प्रतियों में) उस कार्यालय/यूनिट के संबंधित कार्मिक अधिकारी को विस्तार से भेज सकते हैं, जहां से वे सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। यानि मुख्यालय के लिए मुख्य कार्मिक अधिकारी (CPO), मंडल कार्यालयों के लिए वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी (Sr.DPO) और कार्यशालाओं के लिए मुख्य कारखाना प्रबंधक (C.W.M.)।** अभ्यावेदन में नाम, पदनाम, ग्रेड, नियुक्ति की तारीख, सेवानिवृत्ति की तारीख और पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) संख्या आदि और शिकायत की प्रकृति का उल्लेख होना चाहिए। अभ्यावेदन के साथ प्रासंगिक दस्तावेजों की प्रतियां भी संलग्न की जा सकती हैं। अभ्यावेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025 है। मुख्यालय चर्चगेट से सेवानिवृत्त पेंशनभोगी अपनी शिकायत ईमेल आईडी: **apobna@gmail.com** पर ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। **मुख्यालय का स्थान:** पेंशन अदालत-2025. पश्चिम रेलवे मुख्यालय कार्यालय, विमर्श कक्ष (बोर्ड रूम) प्रथम तल, पुरानी इमारत, चर्चगेट, मुंबई-400020. **ध्यान दें:** अनुग्रह राशि, अवकाश नकदीकरण, पीएफ, जीआईएस, मेडिकल बिल, एमएसीपी, अनुकंपा आधार पर नियुक्ति, वेतन निर्धारण, वेतन का बकाया, पदोन्नति से संबंधित मुद्दे, कानूनी मामले और नीतिगत मुद्दे जैसे मुद्दे पेंशन अदालत के अंतर्गत नहीं आते है।

Western Railway
www.wr.indianrailways.gov.in

0708

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज़ संख्या	बोली संख्या 2025_MCGM_1228933
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	के.बी. भाभा अस्पताल, कुर्ला (पश्चिम) के विभिन्न वार्डों के लिए टाइप बी सिलेंडर की खरीद
निविदा की जाँच शुल्क	726/- + 18.0% जीएसटी
बोली सुरक्षा जमा/ईएमडी	9000/-
निविदा जारी करने और बिक्री की तिथि	15.10.2025 15.00 बजे से
निविदा बिक्री और बोली सुरक्षा जमा की प्राप्ति की अंतिम तिथि और समय	29.10.2025 15.00 बजे तक
वेबसाइट	https://Mahatenders.gov.in
पैकेट A का उद्घाटन	30.10.2025 15.00 बजे के बाद
पैकेट B का उद्घाटन	30.10.2025 15.10 बजे के बाद
पैकेट C का उद्घाटन	03.11.2025 15.00 बजे के बाद
संपर्क का पता	चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय, एमसीजीएम खान बहादुर भाभा अस्पताल, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-400070
बोली खोलने का स्थान	चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में ऑनलाइन

हस्ता/-
चिकित्सा अधीक्षक
खान बहादुर भाभा अस्पताल, कुर्ला (पश्चिम)

पीआरओ/1917/विज्ञापन/2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं. ACRC/2108/600/AEM दिनांक...14/10/2025

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त नीचे दिए गए कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.	कार्य का नाम	ईएमडी(रुपए में)	निविदा जाँच शुल्क (रुपए में)	कार्य पूरा होने की अवधि	बोली शुरू होने की तिथि और समय	जमा करने की अंतिम तिथि और समय
1	बोली संख्या 2025 MCGM 1228903 1 कार्य का नामः आर/सेंट्रल वार्ड में लिंक रोड, बोरीवली पश्चिम के झांसी की रानी तालाब, सीटीएस संख्या- 1550 और 1612 में परिचारक/सुरक्षा गार्ड के रूप में श्रमिकों की आपूर्ति।	रु. 17200.00	रु. 1452.00/- + 18% जीएसटी	4 महीने	15.10.2025 प्रातः 11.00 बजे से	23.10.2025प्रातः 12.00 बजे तक

निविदा शर्तों के अनुसार आवश्यक जांच शुल्क आर/सेंट्रल वार्ड कार्यालय में देय होगा।
अधिक जानकारी के लिए कृपया https://mahatenders.gov.in देखें।

हस्ता/-
सहायक आयुक्त, आर/सी

पीआरओ/1907/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

वसई विरार शहर महानगरपालिका

प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व

मुख्य कार्यालय - विरार, दूरध्वनी ९५२५० - २४०२१७९ / २४०३४४२ / २४०२५६३

जाहीर नोटीस जा. क्र. वविशम/कर/ १०६८/२०२५-२६ दि.१३/१०/२५

महाराष्ट्र मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४६९ अन्वये जाहीर नोटीस खालील मालमत्तेच्या हस्तांतरण संबंधाने वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय नालासोपारा येथे प्राप्त झालेल्या मालमत्ता धारकाच्या प्रकरण परत्वे नोटिसीनुसार सदर हस्तांतरण संतर्भात कोणत्याही हितसंबंधाने हरकत अगर आक्षेप असल्यास हि नोटीस प्रसिह झाल्यापासून ७ दिवसांच्या आत हितसंबंधाच्या व हरकतीच्या लेखी पुराव्यासह वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय विभागीय कार्यालय विरार येथे लेखी स्वरूपात हरकत नोंदवावी अन्यतः करवसुलीच्या सोयीसाठी सदर हस्तांतरण करून महानगरपालिका दप्तरी याबाबतची नोंद घेतली जाईल.

अ. क्र	मालमत्ता क्र.	पावती क्र.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे मालमत्ता विकणा-याचे नाव किंवा अभिहस्तांकन कर्त्याचे नाव	खरेदीदाराचे किंवा अभिहस्तांकन नाव
१.	VR06/1965/59	9396	साधना शांताराम येलगकर	गणेश शांताराम येलगकर
२.	VR06/128-4/133	8783	पांडुरंग तानाजी तानवडे	प्रदीप पांडुरंग तानवडे
३.	VR06/1642/14	4048	विजय अनंत बारेसुतकर	हिरा हेमा खारवी / मधु हिरा खारवी
४.	VR06/2029/18	7581	विलास बापु निंबाळकर	विभा विजय सकपाळ
५.	VR06/2191/13	6261	अर्चना वी. वळंजू	वैभव विलास वळंजू
६.	VR06/2017/27	9295	महेश दामोदर दळवी	नविन चंद्रप्पा सेशाराम / सुधाकर चंद्रप्पा सेशाराम / सुशिला नविन सेशाराम
७.	VR06/1692/45	7594	प्रविणकुमार भीमा पटेल	गोविदीदेवी देवेंद्र बोरा /संजयसिंह देवेंद्रसिंह बोरा
८.	VR06/1987/27	9327	संदीप वसंत डरारे	योगिता रामदास चिंदरकर
९.	VR06/2239/5	11497	रमेश कुमार प्रजापती	अविनाश नथुराम वोर्गे
१०.	VR06/1435/25	11541	राजेंद्र चंद्रकांत मयेकर	सुनिल यशवंत कांवळे / साक्षी सुनिल कांबळे
११.	VR06/2312/18	11542	अशोक उद्धव सोनपसारे	अल्पेश रमेश कुरूप
१२.	VR06/1478/1	11516	पांडुरंग श्रीरंग पाटील	संजय तानाजी शिंदे
१३.	VR06/1013/9	11513	स्वप्नील केशव शिंदे	राजेश्री विनीत देवरे
१४.	VR06/1756/14	11528	रंजना रमेश मांढरे	मधुकर काशीराम लांवे
१५.	VR06/1983/39	11524	भालचंद्र बाबाजी करगुटकर	सिद्धि रविंद्र अवगुल / रविंद्र सडकोजी अवमुल
१६.	VR06/2046/36	11523	कृष्णकुमार राममिलन तिवारी	संदीप महेंद्र भागवनिया
१७.	VR06/1661/9	11521	भिमसिंग किसनसिंग	आदिनाथ अनिल माटल
१८.	VR06/2075/110	11522	श्रीराम विठ्ठल चव्हाण	स्मिता श्रीराम चव्हाण
१९.	VR06/1978/32	11520	निलेश वसंत राणे	प्रथम सुभाष आंबडसकर / सुहासिनी सुभाष आंबडसकर
२०.	VR06/1454/15	11525	संतोष गोविंद बेर्डे	वनिता भास्कर कांबळे / भास्कर आबा कांबळे

सही/-
सहा. आयुक्त
प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व
वसई विरार शहर महानगरपालिका

संपादकीय

जोखिमभरी शांति

भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी अंदाज़ में यह दावा कर रहे हों कि गाज़ा में युद्ध अब समाप्त हो चुका है, परंतु सच्चाई यह है कि यह केवल एक अस्थिर और नाजुक शांति है जो किसी भी क्षण टूट सकती है। गाज़ा की धरती आज भी बारूद की गंध से भरी हुई है, और एक छोटी सी चिंगारी इस पूरे क्षेत्र को फिर से युद्ध की आग में झोंक सकती है। पिछले दो वर्षों से चले इस संघर्ष ने गाज़ा को खंडहर में बदल दिया है। इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं थे, लेकिन अमेरिकी दबाव और बदलते हालातों ने उन्हें युद्धविराम स्वीकार करने को विवश कर दिया। दूसरी ओर, लंबे संघर्ष के कारण इस्राइली सेना भी थक चुकी थी और देश के भीतर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ रहा था। ट्रंप के हस्तक्षेप ने फिलहाल तोपों को शांत किया है, लेकिन इस शांति की बुनियाद बेहद कमजोर है। सोमवार को इस्राइल में ट्रंप का स्वागत एक नायक की तरह किया गया, क्योंकि उनके मध्यस्थता वाले समझौते के बाद हमास ने बचे हुए बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। इस्राइल में इसे विजय के रूप में मनाया गया, लेकिन यह केवल युद्धविराम का पहला चरण है न कि स्थायी समाधान। आने वाले हफ्तों में इस समझौते की असली परीक्षा होगी कि क्या दोनों पक्ष अपने-अपने वादों पर टिके रह पाते हैं या नहीं।

इस संघर्ष का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने लगभग बाईस लाख लोगों को बेघर और भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया है। गाज़ा अब एक जीवित कब्रिस्तान जैसा दिखता है जहां घर, सड़कें और अस्पताल तक मलबे में तब्दील हो चुके हैं। ऐसे में, दोनों पक्षों के लिए आवश्यक है कि वे युद्धविराम के पहले चरण का पूरी निष्ठा से पालन करें जिसमें बंधकों और कैदियों की रिहाई, मानवीय सहायता का निर्बाध प्रवाह और इस्राइली सेना की आंशिक वापसी शामिल है। तभी दूसरे चरण की वार्ता शुरू की जा सकेगी, जो कहीं अधिक संवेदनशील और कठिन होगी। युद्ध के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि अब गाज़ा का शासन कैसे चलेगा? क्या हमास प्रशासन से पूरी तरह बाहर हो जाएगा? क्या वह वाकई अपने हथियार डाल देगा? ट्रंप ने इस्राइली संसद में यह दावा किया कि हमास निशस्त्रीकरण योजना का पालन करेगा, परंतु हमास ने फ़लस्तीन को स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिलने से पहले किसी भी तरह के आत्मसमर्पण से इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय समिति के गठन की योजना बना रहे हैं, जो गाज़ा के अस्थायी शासन का पर्यवेक्षण करेगी। हालांकि यह प्रस्ताव भी विवादों से घिरा हुआ है, क्योंकि इस संघर्ष के राजनीतिक, धार्मिक और भौगोलिक आयाम बेहद गहरे हैं। दरअसल, दशकों पुराना इस्राइल-फलस्तीन विवाद केवल सीमाओं का नहीं, बल्कि पहचान, अस्तित्व और न्याय का संघर्ष है। इस पर किसी एक देश के दबाव या मध्यस्थता से स्थायी समाधान की उम्मीद करना अव्यावहारिक है। जब तक इस विवाद के मूल में छिपे अन्याय और अविश्वास को संबोधित नहीं किया जाता, तब तक हर समझौता केवल "जोखिमभरी शांति" ही साबित होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति भले ही इसे अपनी कूटनीतिक सफलता बताकर गर्व महसूस करें, लेकिन आने वाले दिनों में उन्हें यह एहसास अवश्य होगा कि उन्होंने जिस संघर्ष को शांत करने की कोशिश की, वह उनकी क्षमता से कहीं अधिक गहराई रखता है।

बदलते दौर में मल्टी कैरियर एप्रोच से सफलता

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सड़क कुर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

पारंपरिक सोच रही है कि पढ़ाई-लिखाई करके किसी एक कैरियर को अपनाया जाए। लेकिन आज के तकनीक प्रधान समय में परिस्थितियां अलग हैं। लोग एक ही समय पर कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। जैसे कई सॉफ्टवेयर इंजीनियर सोशल मीडिया में बेहद स्मार्ट कंटेंट क्रिएटर हैं। वहीं कई शिक्षक कोचिंग से भी कमाई करते हैं। कई मल्टी टैलेंट व रुचि के चलते दूसरा काम करते हैं लेकिन इस सबके लिए बेहद कर्मठता व स्मार्टनेस चाहिये।

एक ही समय पर कई क्षेत्रों में काम

दरअसल सालों से कैरियर को लेकर पारंपरिक सोच रही है कि पढ़ाई-लिखाई करके किसी एक कैरियर के साथ पूरी जिंदगी का नाता जोड़ा जाए। लेकिन आज की परिस्थितियां कुछ अलग हैं। लोग एक ही समय पर कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। जैसे कई सॉफ्टवेयर इंजीनियर सोशल मीडिया में बेहद स्मार्ट कंटेंट क्रिएटर हैं। यू-ट्यूब से वो अपनी इस टैलेंट की बदौलत अच्छा-खासा कमा रहे हैं। कई शिक्षक हैं जो बतौर शिक्षक जितनी तनख्वाह पाते हैं, उससे कहीं ज्यादा वो ऑनलाइन कोचिंग के जरिये कमाते हैं। अब ज्यादा से ज्यादा कमाई के लिए और कैरियर की गारंटी के लिए जरूरी है कि एक ही कैरियर पर पूरी जिंदगी का दांव न लगाएं। इसलिए आज बड़ी तेजी से मल्टी कैरियर एप्रोच उभर रही है और कार्पोरेट जगत में इसे किसी तरह की खामी मानने की जगह एक नई स्मार्टनेस का दर्जा मिलता जा रहा है।

अनिश्चितता और असुरक्षा भी वजह

दरअसल बदलते समय में मल्टी कैरियर एप्रोच जरूरत भी बन गई है। वास्तव में अनिश्चितता और असुरक्षा किसी भी क्षेत्र में कब आ धमके, आज गारंटी के साथ यह कोई नहीं कह सकता। इसलिए किसी भी क्षेत्र में अचानक आयी मंदी, नौकरी का संकट, तेजी से तकनीकी बदलाव, ऐसी अनेक समस्याओं का एकमात्र हल यही है कि हम एक ही समय में एक से ज्यादा कैरियर में हाथ आजमाएं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म ने बनाया आसान

वास्तव में इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने मल्टी कैरियर को आसान बना दिया है। अब घर बैठे ही दूसरा काम भी आसानी से किया जा सकता है। इसलिए भी मल्टी कैरियर एप्रोच किसी तरह का दुस्साहस नहीं बल्कि सामान्य गतिविधि बन गई है। मल्टी कैरियर एप्रोच हमेशा कमाई या ज्यादा इंकम के लिए ही नहीं होता बल्कि कई बार हम एक ही काम करते करते रचनात्मक रूप से बोर हो जाते हैं। कई लोग एक ही साथ कई तरह की रुचियों वाले होते हैं। दूसरा कैरियर ऐसे लोगों के लिए भी तनावमुक्ति का जरिया होता है।

नये संपर्क बनाने का मौका

मल्टी कैरियर एप्रोच के कई फायदे हैं। इससे आर्थिक स्थिरता कैरियर संबंधी सुरक्षा हासिल होती है। खास करके जब बड़ी तेजी से और जल्दी जल्दी नये नये रुझान कैरियर के बाजार में देखने को मिल रहे हों। वहीं अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने से हमारे काम के साथ व्यक्तिगत संबंधों का दायरा भी बढ़ता है। हम ज्यादा से ज्यादा नये लोगों से जुड़ते हैं और हमारे पास नई-नई सफलताओं के लिए अवसर भी काफी हो जाते हैं। हालांकि एक साथ जब हम एक से ज्यादा कैरियर की नाव में सवार होते हैं, तो कई बार एक के कारण दूसरा काम प्रभावित होता है। लेकिन यह भी तो फायदा मिलता है कि एक से ज्यादा क्षेत्रों में सक्रिय होने के कारण हमें ज्यादा चीजें सीखने का मौका मिलता है। इससे दिमाग सक्रिय और अद्यतन बना रहता है।

आत्मविश्वास व सामाजिक प्रतिष्ठा

एक से ज्यादा क्षेत्रों में कैरियर बनाने से कई तरह की रुचियां और जुनून हमारे साथ बने होते हैं, जिससे हम किसी एक के मुकाबले कम बोर होते हैं। दरअसल हर कोई अपने मुख्य काम से संतुष्ट होता है। लेकिन मान लीजिए अगर कोई पत्रकार, पत्रकारिता के साथ-साथ गायन के क्षेत्र में भी हाथ आजमा रहा है, तो उसे दोनों क्षेत्रों की असुरक्षा से मुक्ति मिलती है और यही सुरक्षाबोध उसे दोनों क्षेत्रों में बेहतर करने का आत्मविश्वास देता है। कई बार लोग मल्टी कैरियर एप्रोच के जरिये ज्यादा सफल रहते हैं, क्योंकि वो कभी भी कोई काम असुरक्षाबोध से ग्रस्त होकर नहीं करते। इसलिए उनके काम में एक आत्मविश्वास की झलक मौजूद रहती है। इसके अलावा आजकल मल्टी कैरियर एप्रोच एक सामाजिक प्रतिष्ठा और पहचान का भी हिस्सा है। अगर कोई एक व्यक्ति एक से ज्यादा क्षेत्रों में सक्रिय है, तो आजकल उसे बहुआयामी व्यक्तित्व वाला समझा जाता है।

कर्मठ, स्मार्ट होना जरूरी

मल्टी कैरियर एप्रोच की अपनी चुनौतियां भी हैं। यह एप्रोच जहां आकर्षक और फायदेमंद है, वहीं यह हर समय सामान्य लोगों से कहीं ज्यादा आपसे अलर्ट रहने की मांग करता है। समय प्रबंधन में आपको हर समय परीक्षा से गुजरना होता है। क्योंकि दो क्षेत्रों में समय का प्रबंधन काफी कठिन होता है। अगर आपके एप्रोच में स्मार्टनेस न हुई तो यह फायदे की जगह नुकसान का कारण भी बन सकता है। दरअसल मल्टी कैरियर एप्रोच आम लोगों के लिए नहीं है, ये बेहद कर्मठ, स्मार्ट और हर समय सजग रहने वाले लोगों के लिए है।

मानसिक दबाव का जोखिम

मल्टी कैरियर एप्रोच हमें मानसिक और शारीरिक रूप से दो गुना थकाता भी है। लगातार अलग-अलग तरह के काम करते रहने से हम कई बार जबर्दस्त मानसिक दबाव का भी शिकार हो जाते हैं। इसलिए जो लोग मल्टी कैरियर एप्रोच के बारे में सोच रहे हों, उन्हें इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि इसे पूरी सजगता के साथ मैनेज करना भी आना चाहिए। अगर आप स्मार्ट तरीके से इसे मैनेज नहीं कर पाते तो आपके दोनो कामों में इसका असर दिखेगा। आप किसी भी काम में उत्कृष्टता नहीं हासिल कर सकते। सबसे बड़ी बात यह है कि मल्टी कैरियर एप्रोच आजमाने के पहले आपके अंदर इस बात को लेकर एक ठोस और स्पष्ट लक्ष्य हो वर्ना आप इस दो नाव की सवारी से फिसल सकते हैं।

जीवन मंत्र

केवल अपने लाभ के लिए जीवन जीना सीमित और असंतोषजनक होता है, लेकिन दूसरों के लिए दोस्ती और मदद का भाव अपनाना जीवन को व्यापक और मूल्यवान बनाता है। करुणा, एक और अनमोल गुण, जीवन की वास्तविकता को समझने और दूसरों के दुःख में सहभागी बनने की क्षमता देती है।

जीवन का मूल्य दूसरों को मूल्यवान बनाने में है

यह कथन जीवन की गहरी सत्यता को उजागर करता है कि किसी भी व्यक्ति का वास्तविक मूल्य उसके भीतर संचित संपत्ति, पद या अधिकारों से नहीं, बल्कि उसके कार्यों और संबंधों से मापा जाता है। जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं है; यह दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है। जब हम प्रेम, दोस्ती और करुणा के माध्यम से दूसरों के दुख को कम करते हैं, उनकी मदद करते हैं और उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं, तभी हमारा जीवन सार्थक और मूल्यवान बनता है।

प्रेम, जीवन का सबसे शक्तिशाली साधन है। यह न केवल संबंधों को मजबूत बनाता है बल्कि दूसरों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को भी जागृत करता है। जब हम प्रेमपूर्वक किसी की मदद करते हैं या उसकी भावनाओं को समझते हैं, तो हम उसकी दुनिया में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में प्रकट होता है। यही प्रेम दूसरों को मूल्यवान बनाता है और जीवन को सार्थक बनाता है।

दोस्ती भी जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सच्चा मित्र वही

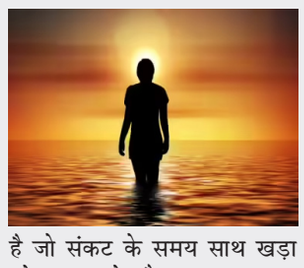

है जो संकट के समय साथ खड़ा रहे, सहारा दे और उत्साह बढ़ाए। जब हम दूसरों के जीवन में मित्रता और सहयोग का भाव लाते हैं, तो हम उनके अनुभवों को सुखद और सहायक बनाते हैं। केवल अपने लाभ के लिए जीवन जीना सीमित और असंतोषजनक होता है, लेकिन दूसरों के लिए दोस्ती और मदद का भाव अपनाना जीवन को व्यापक और मूल्यवान बनाता है।

करुणा, एक और अनमोल गुण, जीवन की वास्तविकता को समझने और दूसरों के दुःख में सहभागी बनने की क्षमता देती है। जब हम किसी की पीड़ा को महसूस करते हैं और उसे कम करने का प्रयास करते हैं, तो हम न केवल उसके जीवन को मूल्यवान बनाते हैं, बल्कि अपने भीतर भी आत्मिक संतोष और मानवीय गरिमा का अनुभव करते हैं। करुणा का यह सच्चा अभ्यास जीवन को केवल भौतिक स्तर पर नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध बनाता है।

अंततः यह कथन हमें यह सिखाता है कि जीवन का असली मूल्य केवल अपने सुख और लाभ में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में निहित है। प्रेम, दोस्ती और करुणा के माध्यम से हम न केवल दूसरों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि अपने जीवन को भी सार्थक और अमूल्य बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति दूसरों के जीवन को मूल्यवान बनाने का प्रयास करता है, तभी उसका जीवन वास्तव में जीवित और महत्वपूर्ण बनता है। यही मानवता और समाज के लिए सच्ची महानता है।

शख्सियत

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

संघर्ष के प्रतीक, जनता के राष्ट्रपति

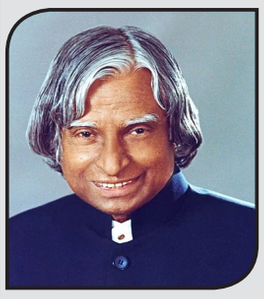

अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम (15 अक्टूबर 1931 - 27 जुलाई 2015) एक भारतीय एयरोस्पेस वैज्ञानिक और राजनेता थे, जिन्होंने 2002 से 2007 तक भारत के राष्ट्रपति के रूप में देश की सेवा की और विज्ञान, शिक्षा तथा युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया।

15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम (धनुषकोडी गाँव) में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में उनका जन्म हुआ। उनके पिता जैनुलाब्दीन न तो अधिक पढ़े-लिखे थे, न ही संपन्न व्यक्ति थे। वे मछुआरों को नाव किराए पर दिया करते थे। अब्दुल कलाम का परिवार संयुक्त था — वे पाँच भाई और पाँच बहनें थे, और घर में तीन परिवार एक साथ रहते थे। अब्दुल कलाम के जीवन पर उनके पिता का गहरा प्रभाव था। भले ही वे शिक्षित नहीं थे, लेकिन उनकी लगन, ईमानदारी और जीवन के संस्कारों ने कलाम के व्यक्तित्व को आकार दिया।

पाँच वर्ष की आयु में रामेश्वरम की पंचायत प्राथमिक विद्यालय में उनका प्रवेश हुआ। उनके शिक्षक अय्यादुरै सोलोमन ने उन्हें सिखाया था कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए तीन शक्तियों — तीव्र इच्छा, आस्था और अपेक्षा — को समझना और उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है। पाँचवीं कक्षा में जब उनके अध्यापक पक्षियों की उड़ान का सिद्धांत समझा रहे थे और छात्र ठीक से नहीं समझ पा रहे थे, तब वे सभी को समुद्र तट पर ले गए और उड़ते हुए पक्षियों को दिखाया। उन पक्षियों को देखकर ही अब्दुल कलाम ने निश्चय किया कि उन्हें भविष्य में वायुयान विज्ञान के क्षेत्र में काम करना है। वे सुबह चार बजे उठकर गणित की ट्यूशन पढ़ने जाते थे, क्योंकि उनके गणित शिक्षक उसी समय पढ़ाते थे।

अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए कलाम ने अख़बार बाँटने का कार्य भी किया। उन्होंने 1950 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करना शुरू किया। 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) से जुड़े, जहाँ उन्होंने कई सफल उपग्रह प्रक्षेपण परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 के परियोजना निदेशक बने, जिसके माध्यम से जुलाई 1982 में रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया।

1972 में ISRO से जुड़ने के बाद, उन्होंने भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र (SLV-III) के निर्माण का नेतृत्व किया। 1980 में उन्होंने रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिससे भारत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया। इसरो के लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। उन्होंने स्वदेशी लक्ष्यभेदी मिसाइलों जैसे 'अग्नि' और 'पृथ्वी' के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। जुलाई 1992 से दिसंबर 1999 तक वे रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव रहे। उनकी देखरेख में भारत ने पोखरण में 1998 में दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया, जिससे भारत परमाणु शक्ति से संपन्न राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल हो गया। उन्होंने भारत को वर्ष 2020 तक वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से विकसित करने का स्वप्न प्रस्तुत किया, जिसे "विजन 2020" के नाम से जाना जाता है।

27 जुलाई 2015 की शाम को जब अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग में "रहने योग्य ग्रह" विषय पर व्याख्यान दे रहे थे, तभी उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा और वे बेहोश होकर गिर पड़े। लगभग 6:30 बजे उन्हें बेथानी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने पूरी कोशिशों के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जीवन ऊर्जा

सूर्यकांत त्रिपाठी (21 फ़रवरी 1899 - 15 अक्टूबर 1961) एक भारतीय कवि, लेखक, संगीतकार और रेखाचित्रकार थे जिन्होंने हिंदी में लेखन किया। उन्हें हिंदी साहित्य में छायावाद काल के चार प्रमुख स्तंभों में से एक माना जाता है। वे महाप्राण की उपाधि और निराला उपनाम से प्रसिद्ध हैं।

सूर्यकांत त्रिपाठी : निधन - 15 अक्टूबर 1931

देहवसान

जो गिरना नहीं चाहता, उसे कोई गिरा नहीं सकता

"जो गिरना नहीं चाहता, उसे कोई गिरा नहीं सकता" — यह वाक्य अपने भीतर एक गहरी जीवनदर्शनात्मक सच्चाई छिपाए हुए है। इसका अर्थ केवल शाब्दिक रूप में 'गिरना' या 'संभलना' नहीं, बल्कि मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक दृढ़ता से भी जुड़ा हुआ है। जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, संकल्प और नैतिक बल है, तो कोई भी बाहरी शक्ति उसे पराजित नहीं कर सकती। जो व्यक्ति अपनी सोच और सिद्धांतों पर अडिग रहता है, वह जीवन की सबसे कठिन परीक्षाओं में भी डगमगाता नहीं। उसकी स्थिरता ही उसे "गिरने" से बचाती है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब उसे निराशा, असफलता या

अपमान का सामना करना पड़ता है। इन परिस्थितियों में कई लोग टूट जाते हैं, हार मान लेते हैं और दूसरों को अपनी असफलता का दोष देने लगते हैं। लेकिन जो व्यक्ति इन सबके बीच भी खुद को संभाल लेता है, जो अपने लक्ष्य और आत्मसम्मान पर दृढ़ रहता है, वह जीवन की हर गिरावट से ऊपर उठ जाता है। ऐसे लोग जानते हैं कि वास्तविक "गिरना" बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि भीतर की कमजोरी से होता है। जब मनुष्य अपने आत्मबल को खो देता है, तभी वह वास्तव में गिरता है। इसीलिए कहा गया है "जो गिरना नहीं चाहता, उसे कोई गिरा नहीं सकता," क्योंकि उसका पतन तभी संभव है जब वह खुद अंदर से हार मान ले।

यह कथन न केवल व्यक्तिगत जीवन पर लागू होता है, बल्कि सामाजिक और नैतिक जीवन पर भी उतना ही सटीक बैठता है। जो समाज अपने मूल्यों, परंपराओं और एकता को बनाए रखता है, उसे कोई भी बाहरी ताकत झुका नहीं सकती।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

नानक दुखिया सब संसारा, सुखी वही जो नाम अधारा

एक व्यक्ति अपने गुरु के पास गया और बोला "गुरुदेव, दुख से छूटने का कोई उपाय बताइए।"

शिष्य ने थोड़े शब्दों में बहुत बड़ा प्रश्न किया था। दुखों की दुनिया में जीना, लेकिन उसी से मुक्ति का उपाय ढूंढना यह वाकई बहुत कठिन प्रश्न था।

गुरु ने कहा "एक काम करो। जो आदमी सबसे सुखी है, उसके पहने हुए जूते लेकर आओ। फिर मैं तुझे दुख से छूटने का उपाय बता दूंगा।"

शिष्य चल पड़ा। वह एक घर में गया और पूछा "भाई, तुम तो बहुत सुखी लगते हो। अपने जूते सिर्फ आज के लिए मुझे दे दो।"

उस व्यक्ति ने कहा "कमाल करते हो भाई! मेरा पड़ोसी इतना बदमाश है कि क्या कहूं। ऐसी स्थिति में मैं सुखी कैसे रह सकता हूं? मैं तो बहुत दुखी इंसान हूं।"

वह दूसरे घर गया।

दूसरे व्यक्ति ने कहा "अब क्या कहूं भाई, सुख की तो बात ही मत करो। मैं तो पत्नी की वजह से बहुत परेशान हूं। ऐसी जिंदगी बिताने से तो अच्छा है कि कहीं जाकर साधु बन जाऊं। सुखी आदमी देखना चाहते हो तो किसी और घर जाओ।"

वह तीसरे घर गया, चौथे घर गया। किसी की पत्नी अपने पति को क्रूर बताती, पति पत्नी को दोषी कहता।

पिता अपने पुत्र को बदमाश कहता, और पुत्र पिता की वजह से खुद को दुखी बताता। सैकड़ों-हजारों घरों के चक्कर लगा आया सुखी आदमी के जूते मिलना तो दूर, खुद के ही जूते घिस गए।

शाम को वह थका-मांदा गुरु के पास लौटा और बोला "गुरुदेव, मैं तो घूमते-घूमते परेशान हो गया। न तो कोई सुखी मिला, और न सुखी आदमी के जूते।"

गुरु ने पूछा "लोग क्यों दुखी हैं? उन्हें किस बात का दुख है?"

शिष्य ने कहा "किसी का पड़ोसी खराब है, कोई पत्नी से परेशान है, कोई पति से दुखी है, तो कोई पुत्र से। आज हर आदमी दूसरे

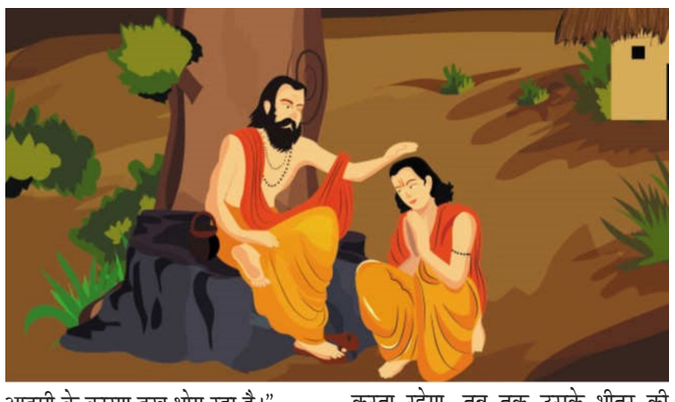

आदमी के कारण दुख भोग रहा है।"

गुरु मुस्कुराए और बोले "यही तो सुख का रहस्य है, बेटा!

लोग हमेशा दूसरों को देखकर दुखी होते हैं। सुख का सूत्र दूसरे की ओर नहीं, अपनी ओर देखने में है।

खुद में झांको, खुद की काबिलियत पर गौर करो। प्रतिस्पर्धा करनी है तो खुद से करो, दूसरों से नहीं।

जीवन तुम्हारी अपनी यात्रा है दूसरों को देखकर अपने रास्ते मत बदलो।

खुद को सुनो, खुद को देखो यही सच्चे सुख का सूत्र है।"

गुरु की बातों ने शिष्य के मन को गहराई से झकझोर दिया। उसने समझ लिया कि मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका असंतोष है। जब तक वह अपनी तुलना दूसरों से करता रहेगा, तब तक उसके भीतर की शांति नष्ट होती रहेगी। हर व्यक्ति अपनी स्थिति, परिस्थितियों और कर्म के अनुसार जीवन जी रहा है। किसी के पास धन है पर शांति नहीं, किसी के पास प्रसिद्धि है पर सुकून नहीं, तो कोई निर्धन होते हुए भी शांत है क्योंकि उसका मन संतुष्ट है। सुख बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि उस दृष्टिकोण में छिपा है जिससे हम जीवन को देखते हैं।

गुरु ने आगे कहा "मनुष्य का मन ही उसका स्वर्ग और उसका नर्क है। अगर मन स्थिर है, तो हर परिस्थिति में आनंद है, और अगर मन अस्थिर है तो स्वर्ग में भी दुख मिलेगा। जो व्यक्ति खुद को जान लेता है, जो भीतर की आवाज़ सुनना सीख जाता है, वही सच्चे अर्थों में स्वतंत्र और सुखी बन जाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

अपने विचार

भाजपा आरएसएस की कठपुतली है। अगर आप आरएसएस को हटा दें, तो भाजपा नहीं रहेगी। **RSS** के बिना यह शून्य है। धर्म के बिना आरएसएस शून्य है।'

-प्रियांक खरगे, नेता,कांग्रेस

न्याय व्यवस्था में मौजूद कमियों को दूर करना हो, मानव संसाधन हो या न्यायधीशों के खाली पदों को भरना हो, जस्टिस गवई के मार्गदर्शन में जिस गति के प्रगति हुई है। वह उल्लेखनीय है। इस वजह से उनका नाम इतिहास में दर्ज किया जाएगा।

-देवेंद्र फडणवीस, सीएम,महाराष्ट्र

अगर विपक्ष के नेता की नियुक्ति के नियम-कानून हैं, तो उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति कैसे होती है? संविधान में उपमुख्यमंत्री पद का कोई जिक्र ही नहीं है। अगर आप हमें विपक्ष के नेता का पद नहीं दे रहे हैं, तो इस अवैध उपमुख्यमंत्री का दर्जा भी छीन लीजिए।

- उद्धव ठाकरे (पार्टी प्रमुख,यूबीटी)

'मुझे शर्म आती है. मेरा सिर शर्म से झुक जाता है. जब मैं देखता हूं कि दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकवादी समूह तालिबान के प्रतिनिधि को किस तरह का सम्मान दिया गया और उसका देश में किस तरह का भव्य स्वागत किया गया है।

-जावेद अख्तर, लेखक एवं कवि

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुख्य वन संरक्षक ठाणे कार्यालय अस्थायी रूप से नए परिसर में स्थानांतरित

ठाणे। ठाणे वन मंडल के अंतर्गत कोपरी में वन भवन का निर्माण कार्य जारी है। इसी कारण सरकारी निर्णय (राजस्व एवं वन विभाग संख्या एफडीएम-2025 प्र.सं. 55 वन-2, दिनांक 23 सितंबर 2025) के अनुसार मुख्य वन संरक्षक, ठाणे वन मंडल के कार्यालय को अस्थायी रूप से एक निजी परिसर में स्थानांतरित करने की अनुमति दी गई है। मुख्य वन संरक्षक एन.आर. प्रवीण ने जानकारी दी कि 1 अक्टूबर 2025 से ठाणे वन विभाग का कार्यालय अस्थायी रूप से सन प्लाजा शॉपिंग सेंटर, चौथी मंजिल, हरिओम नगर, मुलुंड (पूर्व) में कार्यरत है। नए वन भवन के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद कार्यालय को पुनः कोपरी स्थित भवन में स्थानांतरित किया जाएगा।

बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09726 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:50 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09725 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जयपुर से 16:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ठाणे जिला परिषद, पंचायत समिति आरक्षण अधिसूचना के प्रारूप की प्रति प्रकाशित

ठाणे। महाराष्ट्र जिला परिषद एवं पंचायत समिति अधिनियम, 1961 और 1962 की धारा 5 के प्रावधानों के तहत ठाणे जिला परिषद एवं पंचायत समिति के आगामी आम चुनावों के लिए ठाणे जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने 14 अक्टूबर 2025 को आरक्षण की अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के अनुसार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग के नागरिकों और महिलाओं के लिए आरक्षित पंचायत समितियाँ, निर्वाचन प्रभाग और निर्वाचक मंडल तय किए गए हैं। 14 अक्टूबर 2025 को जारी आरक्षण अधिसूचना का प्रारूप नीचे दिए गए स्थान पर प्रकाशित कर दिया गया है। इसके बाद, ठाणे जिला कलेक्टर उक्त आदेश में उल्लिखित प्रारूप पर अंतिम विचार करेंगे।

पश्चिम रेलवे के 12 कर्मचारी महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 12 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी अगस्त एवं सितंबर, 2025 के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 12 कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से दो-दो कर्मचारी शामिल हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कृत कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित सतर्कता की सराहना की और कहा कि वे दूसरों के लिए अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

डोंबिवली स्टेशन पर एफ.ओ.बी. गर्डर लॉन्चिंग

विशेष ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेलवे ने डोंबिवली स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) के गर्डर लॉन्चिंग कार्य के लिए 15 और 16 अक्टूबर की रात्रि विशेष ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लागू करने की जानकारी दी है। इसके तहत अप एवं डाउन फास्ट लाइन तथा 5वीं और 6वीं लाइनों पर कार्य किया जाएगा। ब्लॉक सेक्शन दिवा से कल्याण तक होगा, सभी क्रॉसओवर को छोड़कर।

ब्लॉक का समय और अवधि

5वीं एवं 6वीं लाइनों पर ब्लॉक रात्रि 00.20 बजे से 03.20 बजे तक (3 घंटे) रहेगा। डाउन एवं अप फास्ट लाइन पर यह ब्लॉक रात्रि 01.20 बजे से 03.20 बजे तक (2 घंटे) संचालित होगा। इस दौरान रेल संरचना की सुरक्षा और रखरखाव कार्य प्राथमिकता पर किए जाएंगे।

ट्रेन डायवर्जन और नियमन

डाउन मेल/एक्सप्रेस गाड़ियाँ ट्रेन सं. 11041, 22865 एवं 22538 दिवा और कल्याण के बीच डाउन फास्ट लाइन पर चलाई जाएंगी। अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेन सं. 11020 एवं 18519 को कल्याण–पनवेल सेक्शन से डायवर्ट किया जाएगा और पनवेल तथा ठाणे स्टेशनों पर यात्रियों को उतारने का ठहराव दिया जाएगा। अतिरिक्त नियमन के तहत ट्रेन सं. 22104 को कल्याण स्टेशन पर 25 मिनट, 12102 को 20 मिनट और 18030 को खड़वली स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रोका जाएगा।

यात्री सूचना और सहयोग

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि इस अवधि में असुविधा के लिए सहयोग बनाए रखें। मेल/एक्सप्रेस और विशेष गाड़ियाँ ब्लॉक अवधि के दौरान परिचालन आवश्यकतानुसार डायवर्ट या नियंत्रित की जा सकती हैं। यह विशेष ब्लॉक रेलवे संरचना की सुरक्षा और रखरखाव के लिए अनिवार्य है।

कांबा गांव में विकास कार्यों का भूमिपूजन

विधायक कुमार आयलानी के हाथों हुआ शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण भाग कांबा गांव के वाघेरे पाडा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन आमदार कुमार आयलानी के शुभ हाथों से किया गया। बताया गया कि विधायक आयलानी द्वारा चुनाव से पूर्व किए गए वादों को अब अमली जामा पहनाने का कार्य शुरू हो गया है। वाघेरे पाडा में श्मशान भूमि सुशोभीकरण, सड़कों का निर्माण, शेड निर्माण और जिला परिषद स्कूल के सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों का भूमिपूजन इस अवसर पर किया गया। इस दौरान विधायक कुमार आयलानी ने ग्रामीणों से संवाद किया और क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने जिला परिषद स्कूल में जाकर बच्चों से मुलाकात की, उन्हें मिठाई वितरित की और उनके साथ आत्मीय बातचीत की। वहीं स्कूली बच्चों द्वारा आमदार का स्वागत और सत्कार किया गया। इस अवसर पर सरपंच उषा भास्कर गावंडे, उपसरपंच दत्ता आलोराम भोईर, सदस्य अरुण वसंत शिरोशे, सदस्या भारती महेंद्र भगत, ग्रामविकास अधिकारी सुनंदा शशिकांत पाटील, मधुकर शिरोशे, चिंतामण चौधरी, अरुण तुर्भेकर, संजय भोईर, योगेश देशमुख, पूर्व सरपंच मंगेश बनकरी, राजेश बनकरी, महेंद्र भगत, मंगला चांडा, उमेश सोनार समेत कई ग्रामीण और आसपास के गांवों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पिछड़े वर्ग के लिए आर्थिक विकास कार्यशाला का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए क्रियान्वित विभिन्न आर्थिक विकास निगमों की अनुदान और प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी देने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लेना सम्मान की बात थी। यह कार्यशाला ठाणे जिला समाज कल्याण भवन, खारेगांव, कलवा में आयोजित की गई। इस अवसर पर बिरसिंग पारछा, शिविर आयोजक कृपाल कांबले, विशाल वाघ, तेजस चंद्रमारे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी हिस्सा लिया।

दिवाली के बाद लाभार्थियों के लिए विशेष बैठक

विधायक डावखरे ने बताया कि दिवाली के तुरंत बाद जिला कलेक्टर के साथ बैठक आयोजित कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द ऋण वितरित करने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को योजनाओं का अधिकतम लाभ समय पर मिल सके और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

पिछड़े वर्ग के लिए उद्यमिता और प्रशिक्षण का अवसर

कार्यशाला के माध्यम से समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए गए और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज के अंतिम तबके तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना और उन्हें सशक्त बनाना है। कार्यशाला में विधायक संजय केलकर ने कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐसी योजनाओं के लिए राज्य सरकार का आवश्यक सहयोग हमेशा जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को इस तरह की योजनाओं से आर्थिक एवं सामाजिक लाभ प्राप्त करना चाहिए। कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक निरंजन डावखरे ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम तबके तक पहुँचाना महत्वपूर्ण है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के अनुरूप एक नए आदर्श समाज का निर्माण होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि ऋण वितरण प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को जल्द सुलझाया जाएगा।

पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी के विकास के लिए पृथक योजना

पाँच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपए की धनराशि का प्रावधान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के सम्मान में महाराष्ट्र कैबिनेट ने पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों के जीर्णोद्धार, संरक्षण और संवर्धन के लिए एक पृथक योजना को मंजूरी दी। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। योजना के तहत नौ शैक्षणिक संस्थानों और दो छात्रावासों का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा।

पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी और इसके संस्थान

भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 8 जुलाई, 1945 को शिक्षा के प्रसार हेतु पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की थी। इसके माध्यम से 1946 में मुंबई में सिद्धार्थ कला एवं विज्ञान महाविद्यालय और सिद्धार्थ रात्रिकालीन उच्च विद्यालय, 1950 में छत्रपति संभाजीनगर में मिलिंद कला महाविद्यालय और मिलिंद विज्ञान महाविद्यालय, 1955 में मिलिंद बहुउद्देशीय उच्च विद्यालय और मिलिंद पूर्व-प्रारंभिक अंग्रेजी विद्यालय, 1956 में छत्रपति संभाजीनगर में मिलिंद महाविद्यालय, 1953 में मुंबई में सिद्धार्थ वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, 1956 में सिद्धार्थ विधि महाविद्यालय, वडाला में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय की स्थापना की गई। इसके अलावा, अजंता बालक छात्रावास और प्रज्ञा बालिका छात्रावास भी इसी सोसाइटी द्वारा स्थापित किए गए।

125वीं जयंती पर शिक्षा स्थलों का विकास

महाराष्ट्र सरकार ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन से संबंधित स्थलों का विकास करने का निर्णय लिया था। इसी दिशा में मंत्रिमंडल ने नौ महाविद्यालयों और दो छात्रावासों के संरक्षण और संवर्धन हेतु पृथक योजना को मंजूरी दी।इस योजना के लिए अगले पांच वर्षों में कुल 500 करोड़ रुपए का व्यय निर्धारित किया गया है, यानी प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपए। इससे इन शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों का जीर्णोद्धार, संरचनात्मक सुधार और आधुनिक सुविधाओं के साथ संवर्धन सुनिश्चित किया जाएगा।

कोंकण और मुंबई प्राधिकरण प्रभागों ने महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार जीते

33 उद्यमियों ने सर्वाधिक 45 पुरस्कार जीते

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के उद्योग विभाग द्वारा आयोजित महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार-2025 का वितरण समारोह 13 अक्टूबर को मुंबई के होटल ताज लैंड्स, बांद्रा (पश्चिम) में मराठी भाषा एवं उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत के करकमलों से संपन्न हुआ।

कोंकण और मुंबई प्राधिकरण के उद्यमियों की उपलब्धि

कुल 67 राज्य-स्तरीय निर्यात पुरस्कारों में से, कोंकण और मुंबई प्राधिकरण प्रभाग के 33 कुशल उद्यमियों ने 45 पुरस्कार अपने नाम किए। कोंकण प्रभाग के 21 उद्यमियों को स्वर्ण और रजत पुरस्कार प्रदान किए गए। ठाणे जिले से स्वर्ण पुरस्कार पाने वाले उद्यमियों में हिमाल लिमिटेड, अपार इंट. लिमिटेड, सिमोसिस इंटरनेशनल, जेनिथ इंडस्ट्रियल रबर प्रो., ज्योति स्टील इंडिया, जी.एस. एक्सपोर्ट्स, जैब्ज़ इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और नवकार फैब शामिल हैं। रजत पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में कनेक्ट वेल इंडस्ट्रीज, एचडी फायर प्रो., दुधिया सिंथेटिक्स, फूई गो टेक्स और दलाल प्लास्टिक शामिल हैं। पालघर जिले से डी डेकोट एक्सपोर्ट्स और एमिटी लेदर इंटरनेशनल को स्वर्ण एवं रजत पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि रत्नागिरी जिले से सुप्रिया लाइफ साइंसेज और जिलानी मरीन प्रोडक्ट्स को स्वर्ण पुरस्कार दिया गया। मुंबई प्राधिकरण क्षेत्र के उद्यमियों में एटलस एक्सपोर्ट, बीडीएच इंडस्ट्रीज, इलेक्ट्रोफोकस इलेक्ट्रिकल्स, ग्लोब कोट्यम और लाहोटी ओवरसीज लिमिटेड को स्वर्ण पुरस्कार, इंटरनेशनल फुटस्टेप्स, कृष्णा एंटीऑक्सीडेंट प्राइवेट लिमिटेड और सिनर्जी लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड को रजत पुरस्कार तथा ली मेरिट लिमिटेड को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन और मार्गदर्शन कार्यक्रम

सम्मेलन में निर्यातकों को मार्गदर्शन देने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए डीजीएफटी, कस्टम, ईपीसी और अन्य सरकारी कार्यालय एक ही मंच पर उपलब्ध रहे। इसके अलावा, डीईपीसी की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

सराहनीय योगदान

कोंकण मुंबई प्राधिकरण विभाग की संयुक्त उद्योग निदेशक विजू सिरसाठ और उनकी टीम, साथ ही कोंकण संभाग के संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिला उद्योग केंद्रों के सभी महाप्रबंधकों और अधिकारियों-कर्मचारियों ने निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

इस समारोह में उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन कुमार सोना, उद्योग सचिव डॉ. पी. अंबलगन, औद्योगिक विकास आयुक्त दीपेंद्र सिंह कुशवाहा, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव एम. देवेंद्र सिंह, अतिरिक्त विकास आयुक्त वैभव वाघमारे, विजू सिरसाठ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सफल हुआ 'ज्ञानयज्ञ'

मुंबई के शिक्षकों ने कुप्पम में सीखे 'रचनावाद' के पाठ

प्रैक्टिकल से पढ़ाएंगे तो छात्रों का होगा चौतरफा विकास

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई और उपनगरों के छात्रों की शिक्षा पद्धति को नई दिशा देने के उद्देश्य से गणित और विज्ञान के शिक्षकों के लिए हाल ही में राष्ट्रीय स्तर का 'रचनावाद' (Constructivism) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण आंध्र प्रदेश के कुप्पम में अगसत्या इंटरनेशनल फाउंडेशन में 7 से 10 अक्टूबर तक आयोजित हुआ। प्रशिक्षण से दहिसर की शैलेंद्र एजुकेशन सोसायटी की शिक्षिका श्रीमती मानसी संखे उन्नत रचनावादी दृष्टिकोण के साथ मुंबई लौटीं।

राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण और चयनित शिक्षक

इस प्रशिक्षण का आयोजन महाराष्ट्र सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग और अगसत्या इंटरनेशनल फाउंडेशन के सहयोग से हुआ। पूरे मुंबई से केवल 15 सक्रिय शिक्षकों को इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए चुना गया था। दहिसर पूर्व की मराठी माध्यमिक विद्यालय की श्रीमती मानसी मनोज संखे भी इनमें शामिल थीं। चार दिवसीय कार्यशाला में शिक्षकों ने रचनावाद के दृष्टिकोण को व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से गहरा किया। उन्हें कुप्पम की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं—गणित, जीवविज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, खगोल विज्ञान—और कला प्रयोगशालाओं का दौरा कराया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

वृष पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

मिथुन शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

कर्क यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं।

तुला ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मकर पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुंभ धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मीन लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

शनि: न्याय का ग्रह, कर्म का दर्पण और जीवन परिवर्तन का दूत

सप्तम भाव में वैवाहिक जीवन में तनाव लाता है, और अष्टम भाव में यह जीवन में रहस्यमय और तांत्रिक रुचियाँ जगाता है। नवम भाव में यह व्यक्ति को अधार्मिक बना सकता है, जबकि दशम भाव में वह उच्च पद और शासन संबंधी कार्यों में प्रतिष्ठा दिलाता है। एकादश भाव में यह दीर्घायु और धन देता है, परंतु बारहवें भाव में अशांति और अपव्यय को जन्म देता है।

शनि की शक्ति को स्थिर और शुभ बनाने के लिए प्राचीन ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। सबसे पहला और प्रभावशाली उपाय है — आलस्य का त्याग। जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करता है, हनुमान चालीसा या बजरंग बाण का पाठ करता है और दिन की शुरुआत कर्म से करता है, उसका शनि धीरे-धीरे शुभ फल देने लगता है। सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पित करने से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है और शनि के दोष कम होते हैं। अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों, मजदूरों, सफाईकर्मियों और निर्धनों का सम्मान करना शनि को अत्यंत प्रिय है। भिखारियों को अपमानित करने से शनि क्रोधित होता है।

शनिवार के दिन विशेष रूप से तेल का दान, काले तिल और काली उड़द का दान, पीपल वृक्ष के नीचे दीपक जलाना तथा शमी के वृक्ष की पूजा करना शुभ माना गया है। शनि की कृपा पाने के लिए शनिवार को घोड़े की नाल या नाव की कील से बना लोहा छल्ला दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनना भी फलदायक होता है। परंतु ध्यान रहे कि यह सब उपाय केवल तभी फल देते हैं जब व्यक्ति का आचरण शुद्ध हो, वह सत्यनिष्ठ, श्रमशील और न्यायप्रिय हो।

वास्तव में शनि कोई दुष्ट या भयावह ग्रह नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और कर्म के संतुलन का प्रतीक है। वह हमें यह सिखाता है कि संसार में कोई भी उपलब्धि बिना परिश्रम, संयम और निष्ठा के नहीं मिलती। जब व्यक्ति अपने जीवन में ईमानदारी, सेवा, श्रम और अनुशासन अपनाता है, तब शनि स्वयं उसके मार्ग के रक्षक बन जाते हैं। शनि का अर्थ है स्थिरता, गहराई और न्याय — और जो इन तीनों को जीवन में स्थापित कर लेता है, उसके लिए शनि वरदान से कम नहीं होता।

प्रियंका जैन
9769994439

न्यूज़ ब्रीफ

रांची में शुरू हुआ भुंगरू एक्वा लाइन जल संचयन प्रोजेक्ट

रांची। रांची जिला में पानी बचाने और गांवों को साफ पानी देने की एक नई पहल शुरू हुई है। सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने भुंगरू एक्वा लाइन जल संचयन प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस प्रोजेक्ट के तहत बारिश के पानी को इकट्ठा किया जाएगा, ताकि भूजल का स्तर बढ़े और गांवों में पीने का साफ पानी आसानी से मिल सके। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी, जल विभाग के कर्मचारी, गांव के प्रधान और कई स्थानीय लोग शामिल हुए। उपायुक्त ने कहा कि पानी ही जीवन है. यह प्रोजेक्ट न सिर्फ पानी बचाने में मदद करेगा, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों को मजबूत बनाएगा। हमारा प्रशासन जल संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि अब हमें नशा, कुप्रथाओं और पर्यावरण के नुकसान जैसे "नए अंग्रेजों" से भी लड़ना होगा। भुंगरू प्रोजेक्ट इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उपायुक्त ने इस योजना को लागू करने में जुड़े जल एवं स्वच्छता मिशन, पीएचईडी और एनजीओ टीमों की सराहना की और कहा कि हर तीन महीने में प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री साव ने की बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा

रायपुर। बस्तर ओलंपिक-2025 की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज मंगलवार को वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों तथा बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों की बैठक लेकर इसकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में बस्तर ओलंपिक के व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल मैदानों की उपलब्धता, उनकी मैपिंग, भोजन, यातायात, आवास, प्राथमिक चिकित्सा, निर्णायकों एवं रेफरियों की व्यवस्था के लिए अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनूजा सलाम भी समीक्षा बैठक में उपस्थित थीं। बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सिवनी हवाला लूटकांड में बड़ी कार्रवाई

भोपाल/सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में 8 अक्टूबर की रात एनएच-44 पर सीलादेही बायपास के पास हुई हवाला रकम लूटकांड में मंगलवार को पुलिस विभाग में हड़कंप मचा देने वाली बड़ी कार्रवाई की गई। इस मामले में एसडीओपी (डीएसपी) पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से 8 आरोपी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 3 आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। यह मामला उस समय सामने आया था जब पुलिस की वर्दी में कुछ लोगों ने हवाला कारोबारियों से भारी रकम लूट ली थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह वारदात स्वयं पुलिसकर्मियों द्वारा रची गई थी, जिससे पूरा पुलिस प्रशासन सकते में आ गया।

बीजेपी की पहली लिस्ट जारी

दलित, पिछड़ा और महिला उम्मीदवारों को 50% से ज्यादा टिकट

एजेंसी । पटना

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी की है। इस लिस्ट में कुल 71 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने इस बार सभी सामाजिक वर्गों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। सूची में 9 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। भाजपा की पहली लिस्ट में समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व देखने को मिला है। इसमें सवर्ण, दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और महिलाएं शामिल हैं। सूची में 17 ओबीसी, 11 अति पिछड़ा और 9 महिलाओं को टिकट दिया गया है। इसके अलावा, एससी-एसटी वर्ग के 6 उम्मीदवार भी मैदान में हैं। कुल मिलाकर 50 प्रतिशत से अधिक टिकट दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और महिलाओं को मिला है।

क्या है समीकरण

BJP ने सामाजिक संतुलन के साथ पार्टी ने जातीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा है। भूमिहार के 11, ब्राह्मण के 7, राजपूत के 15 उम्मीदवारों के साथ ही कायस्थ और मारवाड़ी समुदायों के प्रतिनिधियों को भी चुनावी मैदान में उतारा गया है। नए चेहरों को भी कुम्हरार, पटना साहिब, राजनगर और औरंगाबाद जैसी सीटों पर मौका दिया गया है। महिला उम्मीदवारों की बात करें तो बेतिया से पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, परिहार से गायत्री देवी, नरपतगंज से देवंती देवी, किशनगंज से स्वीटी सिंह और प्राणपुर से निशा सिंह को चुनावी मैदान में उतारा गया है। कोढ़ा सीट से कविता सिंह, औराई से रमा निषाद और वारसलीगंज से अरुणा देवी को टिकट मिला है।

कई बड़े चेहरे लिस्ट में

भाजपा ने लोकसभा चुनाव हार चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को दानापुर से और मिथिलेश तिवारी को बैकुंठपुर से उम्मीदवार बनाया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को तारापुर से और विजय सिन्हा को लखीसराय से मैदान में उतारा गया है। विधानसभा अध्यक्ष और पटना साहिब के विधायक नंदकिशोर यादव और कुम्हरार से अरुण कुमार सिन्हा का टिकट नहीं मिला।

हम ने जारी की प्रत्याशियों की लिस्ट

इमामगंज से दीपा मांझी लड़ेंगी चुनाव

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने मंगलवार देर शाम को अपने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी। पार्टी की तरफ से जारी किए गए लिस्ट में बताया गया है कि इमामगंज सीट से मांझी की बहू दीपा मांझी चुनाव लड़ेंगी। वहीं, मांझी ने अपनी समधन ज्योति देवी को एक बार फिर से टिकट दिया है।

किसको कहां से मिला टिकट?

हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की तरफ से जारी लिस्ट में बताया गया है कि जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी इमामगंज सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, मांझी की समधन ज्योति देवी बाराचट्टी, टिकारी से अनिल कुमार, अतरी से रोमित कुमार, सिंकदरा से प्रफुल्ल मांझी और कुटुम्बा से ललन राम चुनाव लड़ेंगे।

हम ने भी उतारे दो भूमिहार कैंडिडेट

खुद को दलितों और महादलितों की पार्टी कहने वाली हम ने भी जब टिकट देने की बारी आई तो भूमिहार जाति के नेताओं पर भरोसा जताया है। मांझी ने अतरी से रोमित कुमार और टिकारी से अनिल कुमार को उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि अनिल कुमार वर्तमान में टिकारी से मौजूदा विधायक भी हैं।

अयोध्या में अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रामलीला का आयोजन

एजेंसी । अयोध्या

इस वर्ष नौवें संस्करण के दीपोत्सव के अवसर पर अयोध्या अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच बनकर उभर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार अयोध्या में एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रूस, थाईलैंड, इंडोनेशिया, नेपाल और श्रीलंका के कलाकार मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की लीला का मंचन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की भागीदारी अयोध्या को न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र भी बनाएगी। इस बार कुल 90 विदेशी कलाकार अयोध्या की पावन भूमि पर अपनी कला और सांस्कृतिक धरोहर के माध्यम से रामकथा को जीवंत रूप में पेश करेंगे। अयोध्या के राम कथा पार्क में इस वर्ष विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध रामलीलाओं का मंचन किया जाएगा।

राम और सीता के दिव्य मिलन की अनुभूति

रूस से आए 15 कलाकार रामलीला के दौरान स्वयंवर का दृश्य प्रस्तुत करेंगे। उनके मंचन में रूस की पारम्परिक रंगमंचीय तकनीक और भारतीय कथा का अनूठा मिश्रण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। रूस के कलाकारों ने इस प्रस्तुति के लिए महीनों की तैयारी की है और वे दर्शकों को राम और सीता के दिव्य मिलन की अनुभूति देंगे।

इंडोनेशिया : लंका दहन और अयोध्या वापसी

इंडोनेशिया के 10 कलाकार रामलीला में लंका दहन और अयोध्या वापसी के दृश्य को अद्भुत ढंग से प्रस्तुत करेंगे। यह प्रस्तुति दर्शकों को राम के जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ों का अनुभव कराएगी और अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाएगी।

थाईलैंड के कलाकारों की पारम्परिक नृत्य-नाट्य शैली प्रस्तुति

थाईलैंड से आए 10 कलाकार रामलीला में शूर्पणखा और राम-लखन संघर्ष, मारीच से संघर्ष और राम-रावण युद्ध का मंचन करेंगे। इन युद्धों के माध्यम से राम और रावण के बीच धर्म और अधर्म की कहानी दर्शकों के सामने प्रस्तुत होगी। थाईलैंड के कलाकारों की पारम्परिक नृत्य-नाट्य शैली इस प्रस्तुति को और भी जीवंत बनाएगी।

आजमगढ़ जेल में 52.85 लाख की धोखाधड़ी

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ जिला कारागार में सरकारी खाते से 52.85 लाख रुपये की वित्तीय हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद शासन ने बड़ा कदम उठाया है। जेल अधीक्षक आदित्य कुमार सिंह को जिम्मेदारी में लापरवाही, धन गबन और कार्य में शिथिलता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

डीआईजी की जांच में सामने आया पूरा घोटाला

डीआईजी जेल शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने बताया कि आरोपी केनरा बैंक के ब्लैंक चेक गायब कर फर्जी हस्ताक्षर से पैसे निकालते रहे। आरोपी बैंक से बैंक ट्रांजैक्शन करते थे ताकि संदेह न हो। डीआईजी ने कहा कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है और जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जांच में खुलासा

जांच में खुलासा हुआ कि अधीक्षक के नाम से चल रहे खाते से कैदियों और जेल कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी चेक जारी कर रकम निकाली गई। डीआईजी जेल शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने 11 अक्तूबर को जेल में करीब 8 घंटे तक जांच की और शासन को रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद कार्रवाई की गई। धोखाधड़ी में शामिल चार आरोपी रामजीत यादव, शिवशंकर यादव उर्फ गोरख, वरिष्ठ लेखाधिकारी मुशीर अहमद और चौकीदार अवधेश कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जांच में सामने आया कि बंदी रामजीत यादव को लेखा कार्यालय में वरिष्ठ सहायक मुशीर अहमद का लेखक बनाया गया था। वहीं से दोनों ने मिलकर जेल अधीक्षक के चेकबुक से फर्जी हस्ताक्षर कर चेक जारी किए और रकम निकाल ली। मुख्य आरोपी रामजीत ने धोखाधड़ी के पैसों से बहन की शादी में 25 लाख खर्च किए और 3.75 लाख की बुलेट खरीदी। लेखाधिकारी मुशीर अहमद ने लगभग 7 लाख रुपये खर्च किए, जबकि चौकीदार अवधेश को 1.5 लाख रुपये मिले।

वाराणसी में बुलडोजर एक्शन

मार्कंडेय महादेव मंदिर मार्ग पर ढहाए गए कई मकान

एजेंसी । वाराणसी

कैथी गांव स्थित मार्कंडेय महादेव धाम मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर मंगलवार को प्रशासन की ओर से बुलडोजर कार्रवाई की गई। इस दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। सुबह 11 बजे शुरू हुई कार्रवाई में कई मकान ढहा दिए गए। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

ग्रामीणों ने दी चेतावनी

ग्रामीणों ने चेताया कि जब तक सभी प्रभावित लोगों को मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। इस संबंध में अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी के.के. सिंह ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण कार्य शासन की प्राथमिकता वाली परियोजना है। जिन भवन स्वामियों को नोटिस जारी किया गया था, उनकी संपत्ति नियमानुसार अधिग्रहित की जा रही है। जिन लोगों के मुआवजे की प्रक्रिया लंबित है, उसे राजस्व विभाग के माध्यम से पूरा कराया जाएगा। अभियंता ने कहा कि किसी को भी वैध अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों ने लगाया ये आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना उचित मुआवजा दिए मकान गिराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि गांधी आश्रम से प्राथमिक विद्यालय तक के मकान मालिकों को मुआवजा दिया गया। लेकिन प्राथमिक विद्यालय से मंदिर तक के भवन स्वामियों का अब तक भुगतान नहीं हुआ है।

'वैध अभिलेख होने पर भी नहीं मिला मुआवजा'

प्रभावित लोगों का कहना है कि उनके पास सभी वैध अभिलेख मौजूद हैं, बावजूद इसके उन्हें मुआवजे से वंचित रखा गया है। ग्रामीण महेंद्र सिंह ने बताया कि अधिकारियों से कुछ समय देने की अपील की गई थी, लेकिन बिना सुनवाई के उनका मकान गिरा दिया गया। अचानक हुई कार्रवाई से कई परिवार अपने घरों से सामान तक नहीं निकाल पाए।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक करोड़ की शराब बरामद

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने कंधरापुर थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बड़ी कामयाबी हासिल की है। टीम ने एक कंटेनर से 4781.8 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही दो अंतर्राज्यीय तस्कर भीमा राम (25) और योगेश कुमार (24), निवासी बाड़मेर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में 13 अक्तूबर को यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार कन्नौजिया और एसटीएफ निरीक्षक अनिल कुमार सिंह की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में बड़ी मात्रा में शराब बिहार भेजी जा रही है। टीम ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 232 किमी टोल प्लाजा के पास वाहन को रोक लिया। तलाशी में एक ही ब्रांड की शराब की 537 पेटियां मिलीं, जिनमें 2724 बोतलें 750 मि.ली., 4032 बोतलें 375 मि.ली. और 6816 बोतलें

व्यापार जगत

शेयर बाजार में बिकवाली हावी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ। बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी और सेंसेक्स 82,573 अंक तक पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद बिकवाली शुरू होने से सेंसेक्स लगभग 800 अंक टूटकर 81,781 अंक तक लुढ़क गया। निफ्टी भी ऊपरी स्तर से लगभग 250 अंक गिरकर 25,060 अंक पर आ गया। दोपहर के बाद खरीदारों ने लिवाली की कोशिश की, लेकिन पूरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में ही बंद रहे।

निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी

आज की गिरावट के कारण निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.06 लाख करोड़ रुपये की कमी आई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.40 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि सोमवार को यह 462.46 लाख करोड़ रुपये था। पूरे दिन के कारोबार में बीएसई में 4,334 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई, जिनमें 1,336 शेयर बढ़त के साथ, 2,871 शेयरों में गिरावट और 127 शेयर स्थिर रहे।

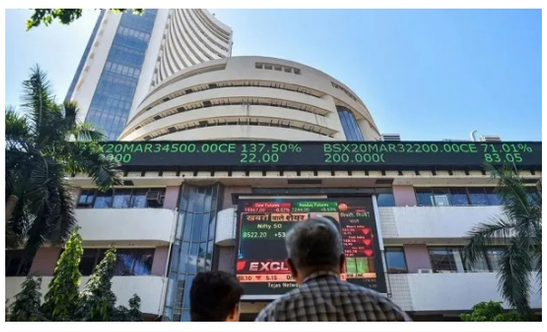

सेक्टर और ब्रॉडर मार्केट में कमजोरी

आज रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली देखी गई। ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, आईटी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों में तेजी का रुख बना रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.74 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.95 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ।

टॉप गेनर्स और लूजर्स

कारोबार में मैक्स हेल्थकेयर, विप्रो, टेक महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन टॉप 5 गेनर्स रहे। वहीं, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और टाटा मोटर्स टॉप 5 लूजर्स में शामिल रहे।

वित्त वर्ष 2026 में 6.6% की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.6% की दर से बढ़ेगी। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी IMF ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया है। इससे पहले IMF ने जुलाई में FY26 में भारत की GDP ग्रोथ रेट का अनुमान 6.4% बताया था। IMF ने अपनी अक्टूबर कि वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में पहले के अनुमान से ज्यादा तेजी से बढ़ेगी। वहीं IMF ने FY27 के लिए अनुमान को थोड़ा कम करके 6.2% कर दिया है।

वर्ल्ड बैंक ने भी भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

IMF के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था ने FY26 की पहली तिमाही में 7.8% की शानदार ग्रोथ दर्ज की, जो पिछले एक साल में सबसे तेज रही। दूसरी तिमाही में भी करीब 7% की बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस मजबूत प्रदर्शन का कारण घरेलू मांग में तेजी, सर्विस सेक्टर के एक्सपोर्ट में ग्रोथ और साल की शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन रहा। IMF ने कहा कि ये पॉजिटिव रुझान अमेरिका के भारत पर लगाए गए टैरिफ के असर को भी पीछे छोड़ रहे हैं।

शेयर बाजार में कंपनी की छप्परफाड़ लिस्टिंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया आईपीओ के शेयर ने उम्मीद के मुताबिक बीएसई, एनएसई पर धमाकेदार शुरुआत कर निवेशकों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। कंपनी के शेयर 50 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुए हैं। वर्ष 2025 के चर्चित आईपीओ में से एक एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया आईपीओ ने 14 अक्टूबर को शानदार शुरुआत कर निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयरों ने मंगलवार को दलाल स्ट्रीट पर धमाकेदार शुरुआत की। आईपीओ प्राइस से 50% प्रीमियम पर शेयर लिस्ट हुए। बीएसई और एनएसई पर शेयर क्रमशः 1,715 रुपये और 1,710.10 रुपये पर खुले। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया आईपीओ के खुलने के पहले ही निवेशकों ने उत्साह दिखाना शुरू कर दिया था और उनकी उम्मीदों पर यह इश्यू खरा उतरा। कंपनी का 11,607 करोड़ रुपये का यह इश्यू 2025 में सबसे ज्यादा सब्सक्राइब किया गया आईपीओ रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि कंपनी के मजबूत फंडामेंटल्स,

कर्जमुक्त स्थिति और आकर्षक वैल्यूएशन इसे निवेशकों की पहली पसंद बना रहे हैं। स्टॉक्सबॉक्स के रिसर्च एनालिस्ट प्रथमेश मसदकर ने बताया कि कंपनी की वैल्यूएशन अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में सस्ती है और इसका रिटर्न रेशो भी काफी मजबूत हैं, जिसने लिस्टिंग को मजबूती दी। शेयर लिस्ट होने के पहले एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 422 रुपये था, जो आईपीओ प्राइस 1,140 रुपये के मुकाबले 37% का प्रीमियम दिखा रहा है। शुक्रवार को यह प्रीमियम 395 रुपये था और अब इसमें उछाल आया है।

14 दिन बाद एक बार फिर डॉलर के मुकाबले ऑल टाइम लो पर पहुंचा रुपया

एजेंसी । नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट की ओर से बने दबाव, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की मांग में तेजी आने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में एक बार फिर ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच कर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 12 पैसे फिसल कर 88.80 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन

सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.68 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। आपको बता दें कि आज के पहले 30 सितंबर को भी डॉलर के मुकाबले रुपये ने 88.80 के स्तर पर बंद होकर ऑल टाइम लो का रिकॉर्ड बनाया था।

भारत ने अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस पर रोक हटाई

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत सरकार ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर लगी टेम्परेरी रोक हटा दी है। कल यानी 15 अक्टूबर से अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस पहले की तरह शुरू हो जाएंगी। इससे पहले 25 अगस्त को भारतीय डाक विभाग ने पोस्टल सर्विस पर अस्थाई रोक लगाई थी। सर्विस सस्पेंड करने का कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ नियम थे। ट्रम्प प्रशासन ने इसी साल 30 जुलाई को एक आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट को 29 अगस्त से खत्म कर दिया गया था। अब तक, जब आप इंडिया से अमेरिका को पोस्ट के जरिए कोई सामान भेजते थे, तो कस्टम ड्यूटी सामान पहुंचने पर अमेरिका में सामान लेने वाले को देनी पड़ती थी। नई व्यवस्था में कस्टम ड्यूटी अब सामान बुकिंग के समय (भारत में) ही ले ली जाएगी। इसे DDP (डिलेवर्ड ड्यूटी पेड) कहते हैं।

आरआरपी सेमीकंडक्टर के शेयरहोल्डर नहीं सचिन तेंदुलकर

एजेंसी । नई दिल्ली

आरआरपी सेमीकंडक्टर ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को सफाई दी है कि क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर उनकी कंपनी के शेयरहोल्डर नहीं हैं। कंपनी ने यह बयान तब जारी किया, जब इसके शेयर की कीमतों में अप्रैल 2024 से अब तक 57,000% की तेजी आई है। RRP सेमीकंडक्टर ने कहा कि सचिन का उनकी कंपनी से कोई लेना-देना नहीं है। न तो सचिन

ने कंपनी के शेयर खरीदे हैं और न ही वे इसके ब्रांड एंबेसडर हैं। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज (BSE-NSE) को बताया कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग गलत अफवाहें फैला रहे हैं। इन अफवाहों में कहा जा रहा था कि सचिन तेंदुलकर कंपनी में निवेशक हैं या इसके बोर्ड से जुड़े हैं। RRP सेमीकंडक्टर ने बताया कि शेयरों में यह तेजी अफवाहों और अनएथिकल ट्रेडिंग की वजह से देखने को मिल रही है, न कि कंपनी की कमाई की वजह से है। कंपनी का शेयर आज 2.00% की तेजी के साथ 8,584 पर बंद हुआ है। पिछले एक साल में इसके शेयर में 13,050% और अप्रैल 2024 से अब तक 57,131% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का मार्केट कैप 11.55 हजार करोड़ रुपए है।

नए युग का 'शुभ' आगाज

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

- दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया
- कप्तान गिल ने पहली टेस्ट सीरीज जीती

एजेंसी । नई दिल्ली

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की। वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी सरजमीं में खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया ने 2-0 से जीत हासिल की। ये गिल की बतौर भारतीय टेस्ट कप्तान पहली सीरीज रही, जिसमें टीम इंडिया ने जीत के साथ 'शुभ' आगाज किया। दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया और इस तरह वेस्टइंडीज को भारत में करारी हार झेलनी पड़ी।

मैच में क्या-क्या हुआ?

मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने चौथे दिन एक विकेट खोया था जबकि आखिरी दिन उन्हें 2 और नुकसान उठाने पड़े. चौथे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 8 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गए. भारत ने पांचवें दिन 63/1 से खेलना शुरू किया. केएल राहुल ने दिन के पांचवें ओवर में दिन की पहली बाउंड्री लगाई. 29वें ओवर में रोस्टन चेज ने साई सुदर्शन को आउट किया. सुदर्शन ने 76 गेंदों में 39 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने पांच चौके जडे. कप्तान शुभमन गिल आक्रामक अंदाज में दिखे. उन्होंने रोस्टन चेज के ओवर में छक्का और चौका लगाया, लेकिन उसी ओवर में आउट हो गए. इसके बाद भारत ने कोई और विकेट नहीं खोते हुए आसान जीत हासिल की।

वेस्टइंडीज ने दी कड़ी चुनौती

इससे पहले भारत ने पहली पारी 518/5 पर घोषित की थी. जबकि वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई. भारत ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन दिया. लेकिन फॉलोऑन के बावजूद वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बना लिए. जॉन कैंपबेल ने 115 और शाई होप ने 103 रन की शानदार पारी खेली. वेस्टइंडीज ने चौथे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 173 रन से आगे बढ़ाई. कैम्पबेल ने जडेजा की गेंद पर काउ कॉर्नर पर स्लॉग स्वीप से छक्का लगाकर शतक पूरा किया लेकिन फिर उनकी ही गेंद पर आउट हो गए. उन्होंने होप के साथ तीसरे विकेट के लिए दोनों ने 177 रन की साझेदारी कर टीम को पारी की हार से बचाया. इसके बाद कप्तान रोस्टन चेज़ (40) और होप चौथे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी के दौरान सहज दिखे. हालांकि भारत ने जब नई गेंद ली तो वेस्टइंडीज की पारी बिखर गई. सिराज ने होप की पारी का अंत किया जबकि कुलदीप ने भी जल्दी-जल्दी तीन विकेट लिए. इनमें चेज़ का विकेट भी शामिल था।

भारत की गेंदबाजी धमाकेदार

कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने तीन-तीन विकेट लिए और वेस्टइंडीज को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टीम इंडिया ने मजबूत शुरुआत, बेहतरीन बल्लेबाजी और असरदार गेंदबाजी के साथ वेस्टइंडीज को मात दी और सीरीज पर कब्जा जमाया। इस जीत से टीम इंडिया का आत्मविश्वास और बढ़ा, और फैंस के बीच जश्न का माहौल बन गया। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार दसवीं टेस्ट सीरीज जीती है। साल 2002 के बाद से भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। यह किसी भी देश का दूसरे के खिलाफ सबसे लंबा जीत का सिलसिला है।

तन्वी और उन्नति की आसान जीत

विश्व जूनियर बैडमिंटन

गुवाहाटी। पदक की दावेदार तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री आर ने मंगलवार को विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत आसान जीत के साथ की। लड़कों के एकल में भी चारों खिलाड़ी अगले दौर में पहुंच गए।

लगातार गेम में जीतीं

शीर्ष वरीय तन्वी ने पोलैंड की विक्टोरिया कालेत्का को मात्र 11 मिनट में 15-2, 15-1 से हरा दिया जबकि आठवीं वरीय उन्नति ने हांगकांग की लियू होई अन्ना को 15-8, 15-9 से मात दी। रक्षिता श्री ने कनाडा की लुसी यांग को 15-5, 15-9 से हराकर अभियान शुरू किया। लड़कों के एकल में 11वें वरीय रौनक चौहान ने श्रीलंका के थिसाथ रूपाथुंगा को 15-3, 15-6 से पराजित किया। 15वीं वरीयता प्राप्त सूर्यांश रावत ने तुर्किये के यिगितकन एरोल को 15-5, 15-8 से जबकि लालथाजुआला हमार ने अमेरिका के रायलन टैन को 15-11, 15-5 से शिकस्त दी। ज्ञान दत्तू टीटी ने ब्राजील के जोआकिम मेंडोंका को 15-10, 15-13 से हराकर साथियों के साथ राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया।

वेन्नाला हुईं बाहर

भारत के लिए एकल वर्ग में एकमात्र उलटफेर में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य विजेता वेन्नाला दूसरे दौर में पांचवीं वरीय थाईलैंड की टोनरुग साएहेंग से 6-15, 5-15 से हार गईं। मिश्रित युगल में, 14वीं वरीय भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो तथा सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी ने अगले दौर में प्रवेश किया जबकि दो भारतीय जोड़ियां हारकर बाहर हो गईं।

भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे जैम्पा और इंग्लिस

- दूसरी बार पिता बनने वाले हैं लेग स्पिनर
- कुह्नेमन और फिलिपी दोनों के रिप्लेसमेंट

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जैम्पा और विकेटकीपर बैटर जोश इंग्लिस भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने दोनों प्लेयर्स का पहले मैच से हटा लिया। उनकी जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन और विकेटकीपर जोश फिलिपी को स्क्वॉड में शामिल किया गया। CA ने बताया कि जैम्पा दूसरी बार बच्चे के पिता बनने वाले हैं। इसलिए उन्होंने पैटर्निटी लीव ली है। जैम्पा की पत्नी हैरियट पाल्मर ने 2022 में बेटे को जन्म दिया था। वे दूसरी बार मां बनने वाली हैं। दोनों ने 2021 में शादी की थी। जैम्पा ने CA से कहा कि वे बच्चे के जन्म के लिए नॉर्दर्न न्यू साउथ वेल्स में अपने घर पर ही रहना चाहते हैं। हालांकि, जैम्पा बाकी 2 वनडे के लिए वापसी कर सकते हैं। पहले वनडे में उनकी जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन लेंगे। अगर उन्हें प्लेइंग-11 में जगह मिल गई तो यह होमग्राउंड पर 3 साल में उनका पहला ही वनडे होगा।

इंग्लिस इंजरी के कारण बाहर

विकेटकीपर बैटर जोश इंग्लिस इंजरी के कारण पहले 2 वनडे नहीं खेल सकेंगे। वे पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं। उनकी जगह जोश फिलिपी विकेटकीपर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। रेगुलर विकेटकीपर एलेक्स कैरी फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने के कारण पहले वनडे का हिस्सा नहीं हैं। कैरी दूसरे वनडे से वापसी कर लेंगे। CA ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि इंग्लिस 25 अक्टूबर को होने वाले तीसरे वनडे से वापसी कर लेंगे। वे व्हाइट बॉल टीम के फर्स्ट चॉइस विकेटकीपर हैं। वहीं कैरी बैकअप विकेटकीपर की भूमिका निभाते हैं।

पाकिस्तान पर भी बड़ी जीत चाहेगा इंग्लैंड

- 15 मैच दोनों टीमों ने आपस में खेले
- 13 इंग्लैंड ने जीते, दो मैच बेनतीजा रहे

कोलंबो। जीत की हैट्रिक से आत्मविश्वास से भरी इंग्लैंड की टीम महिला वनडे विश्व कप में बुधवार को पाकिस्तान पर भी बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से उतरेगी। अभी तक पाक की टीम इंग्लैंड से एक भी वनडे मैच नहीं जीत सकी है। तीन एकतरफा जीत ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल का दावेदार बना दिया है। कप्तान नेट शिवर-ब्रंट ने दिखाया है कि वह बल्ले और गेंद दोनों से विरोधी टीम पर किस तरह कहर बरपा सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में उन्होंने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे। एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे टीम छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

रणजी ट्रॉफी

युवाओं के सामने छाप छोड़ने का मौका

- चैंपियन विदर्भ के सामने खिताब बचाने की कठिन चुनौती
- 42 बार की चैंपियन मुंबई की टीम फिर फाइनल में पहुंचने के लिए जोर लगाएगी

बेंगलुरु। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से बाहर चल रहे ऋषभ पंत बुधवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सत्र से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। इसके साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। गत चैंपियन विदर्भ के सामने जहां खिताब बचाने की कठिन चुनौती होगी, वहीं रिकॉर्ड 42 बार की चैंपियन मुंबई की टीम फिर फाइनल में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएगी। पिछले साल वह सेमीफाइनल में वह विदर्भ से हार गई थी जो तीसरी बार चैंपियन बनी थी। पंत का दूसरे दौर में खेलना रणजी ट्रॉफी के पहले चरण का मुख्य आकर्षण है क्योंकि अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद भारत को लंबे समय तक टेस्ट नहीं खेलना है। जुलाई में मैनचेस्टर में क्रिस वोक्स की गेंद पर पैर की अंगुली में फ्रैक्चर होने के बाद से पंत बाहर हैं और बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनका रिहैबिलिटेशन सही दिशा में चल रहा है।

नंबर गेम

42 बार सर्वाधिक मुंबई की टीम ने जीता है खिताब

03 बार खिताब जीता है गत चैंपियन विदर्भ की टीम ने

मुंबई देगा विदर्भ को चुनौती

जहां तक रणजी ट्रॉफी का सवाल है तो 42 बार का चैंपियन मुंबई फिर से खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। गत विजेता विदर्भ आसानी से खिताब नहीं गंवाना चाहेगा। इसके अलावा केरल, सौराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसी टीमें अपना गौरव फिर हासिल करने या एक नया अध्याय लिखने के लिए उत्सुक होंगी।

बॉलीवुड

अक्षय कुमार फिर बनाएंगे साउथ की रीमेक

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्मों का उनके प्रशंसकों को हमेशा बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में अभिनेता को 'जॉली एलएलबी 3' में देखा गया था, जहां उनके प्रदर्शन की काफी सराहना हुई। अब अक्षय एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने की तैयारी में हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता जल्द ही साउथ की सुपरहिट फिल्म 'संक्रांतिकी वास्तुनम' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्म के रीमेक की तैयारियां जोरों पर हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है, ₹अक्षय कुमार को फिल्म की कहानी बेहद पसंद आई है। उन्होंने फिल्म देखने के बाद खुद इसके हिंदी रीमेक का फैसला किया है। गौरतलब है कि मूल फिल्म 'संक्रांतिकी वास्तुनम' का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर अनिल रविपुडी ने किया था। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें साउथ सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म ने 14 जनवरी 2025 को रिलीज होकर दुनियाभर में 250 से 300 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी।

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि हिंदी रीमेक के लिए इस वक्त कास्टिंग प्रक्रिया पर काम चल रहा है। हालांकि, फिल्म की लीड एक्ट्रेस को अभी फाइनल नहीं किया गया है। शूटिंग की शुरुआत पहले होनी थी, लेकिन अक्षय कुमार के व्यस्त शेड्यूल के चलते प्रोजेक्ट में कुछ देरी हो गई।

एक्शन में लौटेंगे खिलाड़ी कुमार

अगर अक्षय के आने वाले प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो, वह अगले साल यानी 2026 में 'भूत बंगला' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास 'हैवान', 'फिर हेरा फेरी 3' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी कई बड़ी फिल्में भी लाइन में हैं। दिलचस्प बात यह है कि अक्षय पहले भी साउथ फिल्मों के हिंदी रीमेक में काम कर चुके हैं, जैसे 'राउडी राठौर' और 'सरफिरा', जो बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुईं। अब देखना होगा कि 'संक्रांतिकी वास्तुनम' का हिंदी रूपांतरण दर्शकों पर क्या असर डालता है।

अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज

फिल्मी दुनिया के फैंस के लिए खुशखबरी है। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की मोस्ट अवेटेड रोमांटिक-कॉमेडी 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहले ही अपने स्टारकास्ट और टीजर की वजह से चर्चा में थी। ट्रेलर की शुरुआत शादी के लिए लड़का देखने से होती है। रकुलप्रीत अपने पिता (आर. माधवन) और मां (गौतमी कपूर) के सामने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात करती हैं। बातचीत के दौरान खुलासा होता है कि लड़का तलाकशुदा है, लेकिन माता-पिता कहते हैं, ₹उम्र तो बस नंबर है, लड़के को बुलाओ।₹ ट्रेलर में कॉमिक सीन, मजेदार पंचलाइन्स और इमोशनल पलों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है।

अजय देवगन और रकुलप्रीत अपने पहले फिल्म के किरदार आशीष और आयशा के रूप में लौटे हैं। 2019 में आई पहली फिल्म ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसका दूसरा पार्ट भी उसी मस्ती, रोमांस और फैमिली ड्रामे का वादा करता है। इस बार फिल्म में आर. माधवन, मीजान जाफरी, गौतमी कपूर, इशिता दत्ता और जावेद जाफरी जैसे

नए चेहरे शामिल हैं। खास बात यह है कि अजय देवगन और आर. माधवन के बीच के कॉमिक सीन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी साबित होने वाले हैं। 'दे दे प्यार दे 2' की कहानी वहीं से आगे बढ़ती है जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। आशीष अब आयशा के परिवार के बीच कदम रखता है, जिससे रिश्तों की उलझनें और हंसी का तड़का दोनों ही बढ़ जाता है। उम्र का फर्क उनके प्यार की राह में बाधा बनेगा या परिवार सबको स्वीकार करेगा, यही फिल्म का मुख्य सवाल है। निर्माताओं ने ट्रेलर लॉन्च के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दे दे प्यार दे 2' 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और लव फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

बॉलीवुड में काला जादू', अमृता राव ने किया हैरान करने वाला खुलासा

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्रियों में शुमार अमृता राव ने फिल्मों 'विवाह' और 'इश्क विश्क' में अपनी मासूम अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया था। 2002 में 'अब के बरस' से डेब्यू करने वाली अमृता ने कम समय में बॉलीवुड में अपनी मजबूत पहचान बनाई। हालांकि 2016 में उन्होंने आरजे अनमोल से शादी करने के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी।

काजोल नहीं बनना चाहती थीं अभिनेत्री

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल सिनेमा की उन सितारों में से हैं जिनकी पूरी पीढ़ी फिल्मी दुनिया से जुड़ी रही है। उनकी मां तनुजा अपने समय की मशहूर अभिनेत्री रही हैं, पिता शोमू मुखर्जी फिल्म निर्माता थे, जबकि नानी शोभना समर्थ भी जानी-मानी अदाकारा थीं। हालांकि, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में काजोल ने खुलासा किया कि वह कभी इस दुनिया का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। काजोल ने बताया, जब मैं बड़ी हो रही थी, मुझे एहसास हुआ कि मेरी मां बहुत संघर्ष करती थीं। वो सुबह 7 बजे से लेकर देर रात तक काम करती थीं, फिर भी उन्हें उतनी फीस नहीं मिलती थी। मैं हमेशा सोचती थी कि मैं इतनी मेहनत कभी नहीं करना चाहूंगी।₹ उन्होंने कहा कि यही वजह थी कि उन्होंने कभी फिल्मों में आने का सपना नहीं देखा। काजोल ने आगे कहा कि उन्हें फिल्मों की स्क्रिप्ट भले पसंद आ जाए, लेकिन कुछ विषयों से वो हमेशा दूर रहती हैं। उन्होंने साफ कहा, ₹मैं रेप या छेड़छाड़ से जुड़े सीन नहीं करती। मुझे ऐसे विषय पसंद नहीं और मुझे नहीं लगता कि एक अभिनेत्री के तौर पर खुद को साबित करने के लिए ये जरूरी है। काम बात करे तो, काजोल इन दिनों चैट शो 'टू मच' को होस्ट कर रही हैं, जिसमें उनके साथ ट्विंकल खन्ना भी नजर आ रही हैं।

डाटा सेंटर का ग्लोबल हब बना भारत

▸▸ दुनियाभर की कंपनियों का पसंदीदा ठिकाना

▸▸ अमेरिका के बाद भारत में गूगल का सबसे बड़ा एआई सेंटर

गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की

एजेंसी । नई दिल्ली/विशाखापत्तनम

अमेरिकी टेक कंपनी गूगल अगले पांच वर्षों में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र स्थापित करेगी, जिसमें 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा। मंगलवार को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम 'भारत एआई शक्ति' में कंपनी ने इस निवेश की घोषणा की। केंद्र में एक गीगावाट का डाटा सेंटर परिसर, बड़े पैमाने के ऊर्जा स्रोत और विस्तारित फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क शामिल होंगे, जो सिंगापुर, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया के 12 देशों से जुड़े होंगे। डाटा सेंटर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करेगा। अदाणी समूह के साथ साझेदारी में यह भारत का सबसे बड़ा डाटा सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा कि यह परियोजना अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा केंद्र होगी और भारत में एआई युग की संभावनाओं को उजागर करेगी। इससे व्यवसायों, शोधकर्ताओं और रचनाकारों को एआई के साथ निर्माण एवं विस्तार के लिए सशक्त किया जाएगा।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह एआई केंद्र प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। गूगल एआई केंद्र से नागरिकों को अत्याधुनिक उपकरण मिलेंगे और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह डेटा सेंटर एआई मिशन का हिस्सा होगा और युवाओं तथा स्टार्टअप्स को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह निवेश नीति, प्रौद्योगिकी और विकास को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

अमेजन,ओपनएआई ने भी भारत में डाटा सेंटर खोलने की घोषणा की

भारत तेजी से डाटा सेंटर का ग्लोबल हब बनता जा रहा है। दुनियाभर की टेक दिग्गज कंपनियां अपनी डिजिटल जरूरतों के लिए यहां निवेश कर रही हैं। बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकार की अनुकूल नीतियों ने भारत को डाटा सेंटर के लिए पसंदीदा ठिकाना बना दिया है। गूगल के अलावा हाल के दिनों में अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों ने भी डाटा सेंटर खोलने की बात कही है। डाटा सेंटर देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और साथ ही दुनियाभर में एआई दौड़ में भारत की क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

क्या होते हैं डाटा सेंटर?

डाटा सेंटर ऐसी जगह होती है जहां बड़ी मात्रा में डिजिटल डाटा को स्टोर, प्रोसेस और प्रबंधित करने के लिए सर्वर, स्टोरेज सिस्टम, नेटवर्किंग उपकरण और अन्य आईटी संसाधनों को रखा जाता है। यह एक तरह का केंद्रीकृत व्यवस्था है जो इंटरनेट, क्लाउड कंप्यूटिंग, वेबसाइट होस्टिंग, डाटा बैकअप और एप्लिकेशन चलाने जैसे कार्यों को समर्थन देता है। डाटा सेंटर में हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, बिजली बैकअप, कूलिंग सिस्टम और सुरक्षा व्यवस्था होती है ताकि डाटा सुरक्षित रहे।

क्यों बढ़ रही डाटा सेंटर की मांग?

भारत सहित दुनियाभर में एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह जरूरी है। एआई के लिए अत्यधिक कंप्यूटिंग शक्ति की आवश्यकता होती है, जिससे विशेष डाटा केंद्रों की मांग बढ़ रही है जो तकनीकी कंपनियों को क्लस्टर में हजारों चिप्स को एक साथ जोड़ने में सक्षम बनाते हैं। भारत में करीब लगभग एक अरब उपयोगकर्ता इंटरनेट का उपयोग करते हैं। भारत ने कारोबारी माहौल का वादा किया गूगल ने भारत में 15 अरब डॉलर निवेश की घोषणा ऐसे समय में की है।

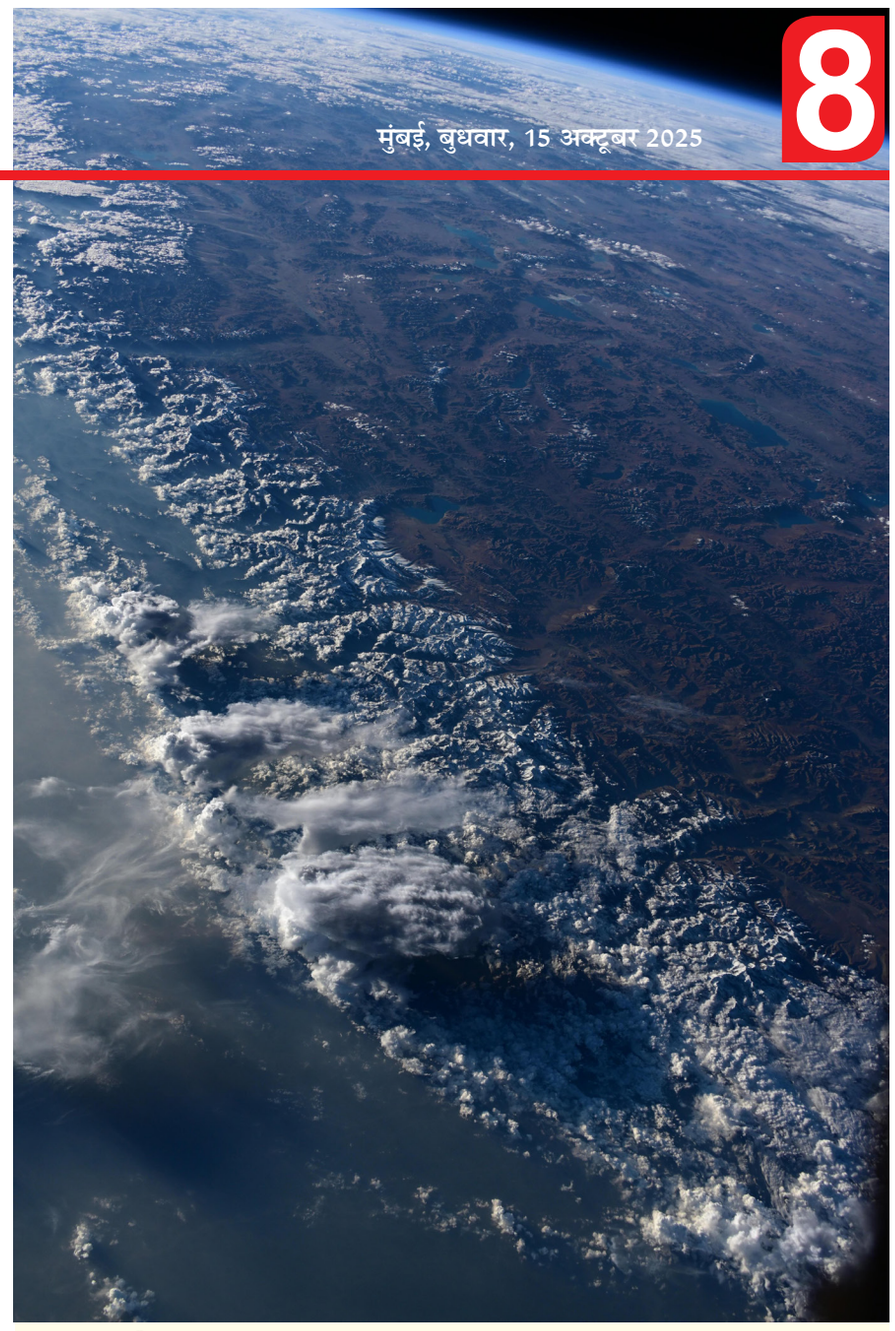

अंतरिक्ष से नजर आया माउंट एवरेस्ट

कैलिफोर्निया। नासा के अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से माउंट एवरेस्ट की खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में बर्फ से ढकी एवरेस्ट की चोटी और नेपाल का दुर्गम इलाका साफ नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि जब यह तस्वीर ली गई, तब आईएसएस हिमालय के ऊपर था। फोटो में भारत का हिस्सा बादलों से ढका हुआ दिख रहा है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे शानदार बताया, जबकि कुछ ने एवरेस्ट की सही चोटी पहचानने की कोशिश की। एक यूज़र ने कहा, यह नजारा गूगल मैप्स से बिलकुल अलग और अद्भुत है।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन बना रहा चौथा विमानवाहक पोत : रिपोर्ट

बीजिंग। चीन कथित तौर पर अपना चौथा विमानवाहक पोत बना रहा है, जबकि वह फुजियान नाम के तीसरे विमानवाहक पोत को लॉन्च करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंगलवार को विमानवाहक पोत के पतवार की उपग्रह तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण लियाओनिंग प्रांत के डालियान स्थित एक शिपयार्ड में किया जा रहा है। चीन के पास वर्तमान में दो विमानवाहक पोत- लियाओनिंग और शेडोंग हैं। लियाओनिंग को 2012 में और शेडोंग को 2019 में कमीशन किया गया था। चीनी सैन्य प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने पिछले महीने कहा था कि तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान को जल्द कमीशन किया जाएगा।

सोनम वांगचुक की हिरासत के मामले में कोर्ट ने टाली सुनवाई

नई दिल्ली। लद्दाख में पिछले महीने हुई हिंसा के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जेल में बंद सोनम वांगचुक की रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट अब 15 अक्तूबर को सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि सोनम की हिरासत को अवैध बताते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने याचिका दायर की थी। कोर्ट ने पहले इस मामले की सुनवाई के लिए 14 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की थी। हालांकि, आज कोर्ट ने समय की कमी की बात कहते हुए मामले की सुनवाई अगले दिन यानी बुधवार तक के लिए टाल दी।

पीएम मोदी-मंगोलिया के राष्ट्रपति के बीच वार्ता

नई दिल्ली। मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना चार दिवसीय यात्रा पर दिल्ली में हैं। इस दौरान मंगलवार (14 अक्तूबर) हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई, जहां दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मंगोलियाई राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। 6 वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक विशेष अवसर है।

बिगड़ने लगी दिल्ली की हवा

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के पहले चरण के तहत पाबंदियां लागू

एजेंसी । नई दिल्ली

सर्दियों की शुरुआत होते ही दिल्ली की हवा बिगड़ना शुरू हो गई है। मंगलवार को वायु गुणवत्ता का स्तर 'खराब' दर्ज होने के बाद केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) के पहले चरण को लागू कर दिया है। इसके तहत दिल्ली और आसपास के इलाकों में कई तरह की गतिविधियों पर पाबंदी लगाई जाएंगी। आगे प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर पाबंदियां बढ़ाई जा सकती हैं।

कैसी है दिल्ली की हवा?

मंगलवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 211 था, जो 11 जून के बाद पहली बार हुआ है। दिल्ली की हवा 124 दिन साफ रहने के बाद प्रदूषण की तरफ लौटी है। इससे पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने सोमवार सुबह 9 बजे दिल्ली का AQI 169 (मध्यम) दर्ज किया, जो शाम 4 बजे 189 हो गया। रविवार को यह 22 अंक कम था। आगे पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने और दिवाली पर पटाखों के कारण प्रदूषण और बढ़ेगा।

क्या रहेंगी GRAP के पहले चरण में पाबंदियां?

GRAP के पहले चरण के तहत कुछ खास पाबंदियां नहीं होंगी, लेकिन निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी और बाहरी गतिविधियों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। दिल्ली और आसपास GRAP -1 के तहत प्रदूषण नियंत्रण उपाय तब लागू रहेंगे, जब तक AQI 201 से 300 अंक के बीच यानी 'खराब' दर्ज होगा। AQI का स्तर इससे अधिक बढ़ने पर GRAP के दूसरे चरण की पाबंदियां लागू की

एर्नाकुलम के ईसाई स्कूल में हिजाब को लेकर विवाद

एर्नाकुलम। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक ईसाई स्कूल हिजाब विवाद के बाद अभिभावकों के निशाने पर आ गया है, जिसके बाद हाई कोर्ट ने स्कूल को पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) से संबद्ध सेंट रीटा पब्लिक स्कूल ने पिछले दिनों एक मुस्लिम छात्रा को हिजाब पहनने से मना किया था, जिसके बाद स्कूल में काफी हंगामा हुआ। इससे चिंतित स्कूल प्रबंधन हाई कोर्ट पहुंचा है। मामले की सुनवाई 10 नवंबर को होगी। सेंट रीटा पब्लिक स्कूल में आठवीं की एक छात्रा हिजाब पहनकर पहुंची थी, जिसे स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश देने से इंकार कर दिया। इसके बाद 10 अक्टूबर को छात्रा के अभिभावक कुछ लोगों के साथ स्कूल में जबरन घुस गए और सुरक्षाकर्मियों के अलावा कई लोगों के साथ मारपीट की। छात्रा के माता-पिता ने इसे धार्मिक अधिकार बताया। हालात बिगड़ने पर स्कूल ने पैरेंट-टीचर एसोसिएशन (PTA) से चर्चा के बाद 13-14 अक्टूबर को स्कूल में छुट्टी कर दी। स्कूल प्रबंधन ने याचिका में बताया कि स्कूल का प्रबंधन एक ईसाई प्रतिष्ठान करता है, जो 1998 में स्थापना के बाद से धर्मनिरपेक्ष है। याचिका में कहा गया है कि उनके स्कूल नियम में यूनिफॉर्म नीति का पालन करने की बात है और अभिभावक प्रवेश के समय लिखित घोषणा करते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कफ सिरप को लेकर जारी किया अलर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीली कफ सिरप पीने से हुई 23 बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अलर्ट जारी किया है।स्वास्थ्य संगठन ने श्रीसन फार्मास्युटिकल की 'कोल्ड्रिफ', रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की 'रेस्पिफ्रेश टीआर' और शेप फार्मा की 'रीलाइफ' की पहचान होने के बाद सावधान रहने को कहा है। उसने दुनियाभर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों (NRA) से आग्रह किया कि वे अपने देशों में

इन दवाओं के उपयोग को रोकें और स्वास्थ्य एजेंसी को सूचित करें।

स्वास्थ्य संगठन ने क्या कहा?

स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि दूषित उत्पाद गंभीर खतरा पैदा करते हैं और संभावित रूप से जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी का कारण बन सकते हैं। संगठन ने कहा कि भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने उनको बताया है कि दूषित दवा किसी देश में निर्यात नहीं की गई है और अवैध निर्यात का भी सबूत नहीं है। फिर भी संगठन ने NRA को बाजार की निगरानी के लिए कहा है।

CDSCO ने दी थी WHO को जानकारी

कोल्ड्रिफ से हुई बच्चों की मौत के बाद WHO ने भारत से जवाब मांगा था, जिसका जवाब दे दिया गया है। WHO को बताया गया कि तीनों सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी थी, जो जहरीला और मीठा स्वाद वाला रसायन है जिसके उपयोग से गंभीर नुकसान या मृत्यु हो सकती है। CDSCO ने WHO को जानकारी दी कि कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ की बिक्री बंद कर दी गई है और इसे कहीं निर्यात नहीं किया गया है।

बंगाल में भाजपा का 'ऑपरेशन लाल मिर्च'

▸▸ आत्मरक्षा के लिए महिलाओं को बांटा चिली पाउडर

दुर्गापुर। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में ओडिशा की रहने वाली मेडिकल छात्रा के साथ हैवानियत की गई। इस घटना के बाद विपक्षी दल भाजपा लगातार ममता सरकार को घेरने का काम कर रहा है। इस बीच अब भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को राज्य में ₹बिगड़ती कानून-व्यवस्था₹ के बीच ₹आत्मरक्षा₹ के लिए महिलाओं के बीच लाल मिर्च पाउडर बांटा। भाजपा का अभियान, जिसे उन्होंने 'ऑपरेशन लाल मिर्च' नाम दिया, उसे कोलकाता के साल्ट लेक के एक मेट्रो स्टेशन के पास शुरू हुआ, जहां पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने महिला यात्रियों को लाल मिर्च पाउडर के पैकेट बांटे और उनको बताया कि ये आत्मरक्षा के लिए हैं।

आतंकियों को पाताल से ढूंढकर दंड देंगे : अमित शाह

एजेंसी । नई दिल्ली/गुरुग्राम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुग्राम के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां आतंकवादियों को पाताल से भी ढूंढकर दंड देंगी। उन्होंने कहा कि अब आतंकवादी दुनिया में कहीं नहीं छिप सकते। अमित शाह ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार आने वाले समय में एनएसजी के कामकाज में बड़े बदलाव करने जा रही है।

एनएसजी के नए हब और प्रशिक्षण केंद्र

गृह मंत्री ने बताया कि अब तक एनएसजी के छह हब—मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद और जम्मू—स्थापित किए जा चुके हैं। अयोध्या में भी एनएसजी का नया हब बनने जा रहा है। उन्होंने अयोध्या में स्पेशल ऑपरेशंस ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास किया। 141 करोड़ रुपये की लागत से आठ एकड़ भूमि पर बने इस सेंटर में आतंकवाद का सामना करने वाले स्पेशल कमांडो को अत्याधुनिक तकनीक से प्रशिक्षित किया जाएगा।

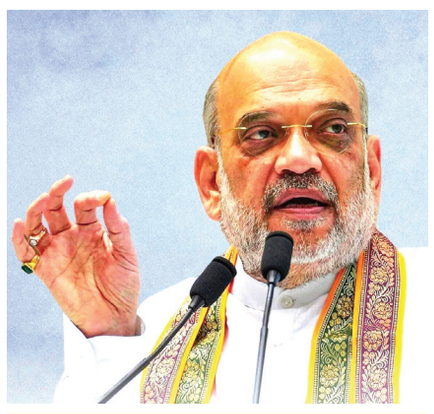

सुरक्षा नेटवर्क और आतंकवाद विरोधी पहल

अमित शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। पीएफआई पर बैन लगाने, मल्टी एजेंसी सेंटर (MAC) को मजबूत करने, CC-TNS और NETGRID के माध्यम से देशभर की जांच एजेंसियों के साथ डेटा साझा करने जैसी पहलों से आतंकवाद पर नियंत्रण किया गया है। अब तक 57 से अधिक व्यक्तियों और संगठनों को आतंकी घोषित किया गया और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

तमिलनाडु शराब घोटाले में ईडी को 'सुप्रीम' फटकार

नई दिल्ली। तमिलनाडु में शराब घोटाले को लेकर चर्चा तेज है। ऐसे में मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने पूछा कि क्या केंद्र की एजेंसी राज्य सरकार के अधिकार छीन रही है? क्या ऐसा करना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है? बता दें कि यह मामला तमिलनाडु राज्य विपणन निगम लिमिटेड (TASMAC) से जुड़ा है, जो राज्य में शराब की थोक और खुदरा बिक्री पर एकाधिकार रखती है। ईडी ने मार्च में दो बार छापेमारी की थी और अपराध से जुड़े सबूत मिलने का दावा किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने ईडी से पूछा कि राज्य सरकार ने खुद एफआईआर दर्ज की हैं और जांच कर रही है, तो आप बीच में क्यों आ रहे हैं? क्या आप खुद ही जाकर जांच कर सकते हैं? क्या इससे राज्य के अधिकारों का हनन नहीं होता? मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि पिछले छह साल में मैंने कई ईडी की जांचें देखी हैं, लेकिन अब मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, नहीं तो मीडिया में छप जाएगा। मामले में राज्य सरकार की ओर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और मुकुल रोहतगी ने दलील दी। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही एफआईआर दर्ज की हैं। ईडी ने TASMAC ऑफिस में छापा मारकर कर्मचारियों के मोबाइल जब्त कर लिए, कंप्यूटर उठा लिए।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

▸▸ 12 घंटे चली मुठभेड़ में मार गिराया

▸▸ एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

एजेंसी । कुपवाड़ा

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया। 13 अक्टूबर की शाम 7 बजे से भारत-पाकिस्तान बॉर्डर (LOC) के पास कुंबकडी के जंगल में यह ऑपरेशन जारी है। आतंकियों ने यहां से घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम किया है।

सर्दियों के चलते सेना अलर्ट पर

इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर घाटी की पहली सर्दी घुसपैठ के नजरिए से संवेदनशील है। हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। ऐसे में सेना को आशंका है कि आतंकी घुसपैठ कर घाटी में ठिकाना बना सकते हैं और किसी आतंकी गतिविधि को अंजाम दे सकते हैं। इसलिए सेना अलर्ट है और पर्वतीय दर्रों पर नजर रखी जा रही है। आतंकियों की घुसपैठ के लिए सर्दी मुफीद मानी जाती है।

सेना का 'ऑपरेशन गुड्डर'

इससे पहले 8 सितंबर को सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे 'ऑपरेशन गुड्डर' नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। ऑपरेशन गुड्डर में मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।